



# अवनी पब्लिकेशन

आत्मविश्वास + साधना + इच्छा शक्ति = सफलता

Best Selling Book  
संस्करण : 2023-24

# शैक्षिक मनोविज्ञान व शिक्षा शास्त्र

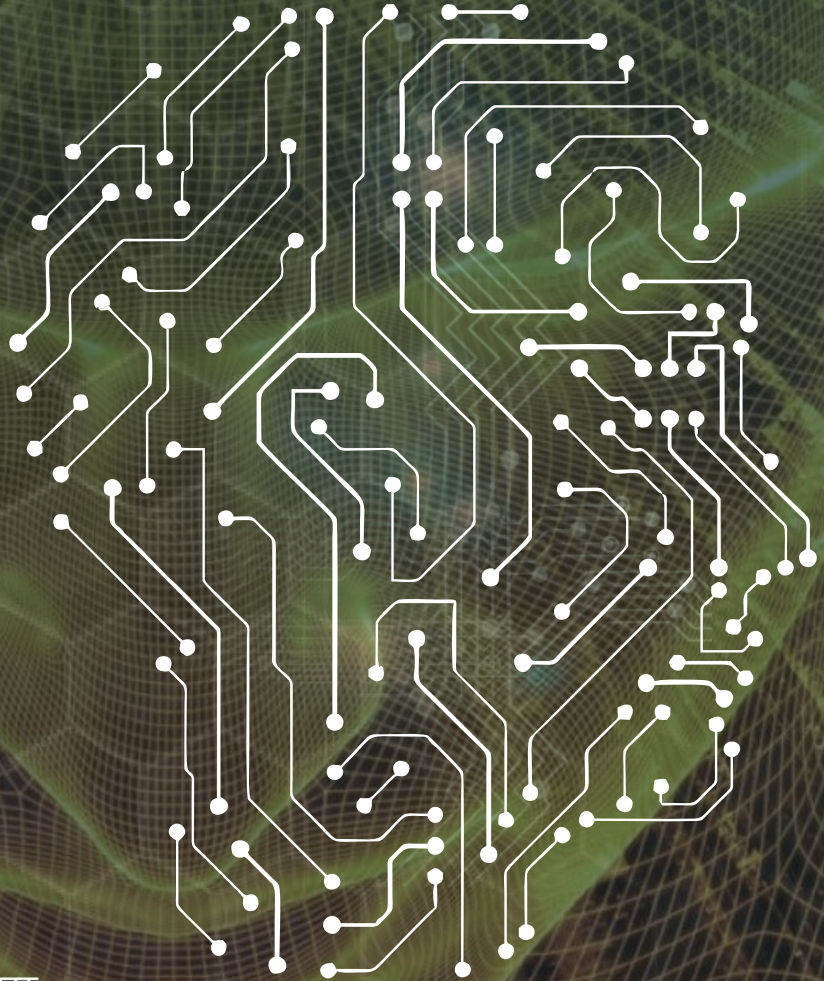
कम्प्यूटर व सूचना तकनीकी (ICT) विशेष सन्दर्भ सहित

विगत RPSC

स्कूल व्याख्याता  
परीक्षाओं के पेपर में  
सर्वाधिक प्रश्न देने  
वाली लोकप्रिय  
पुस्तक

## स्कूल व्याख्याता

भर्ती परीक्षा के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित



पुस्तक की मुख्य विशेषताएँ :-

- सरल व क्रमबद्ध भाषा में लेखन
- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अध्यायवार विवरण
- NCERT व RBSE पुस्तकों के सार पर आधारित पुस्तक
- अध्यायवार अतिमहत्वपूर्ण प्रश्नों का संकलन

धीरसिंह धाभाई

# 1

## शैक्षिक मनोविज्ञान की अवधारणा, क्षेत्र व उपयोगिता

- (1) शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, प्रकार व प्रकृति (2) मनोविज्ञान का अर्थ, विकास, सम्प्रदाय शिक्षा को देने व सम्बन्ध  
(3) शिक्षा मनोविज्ञान अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, प्रकृति, उपयोगिता, विधियाँ

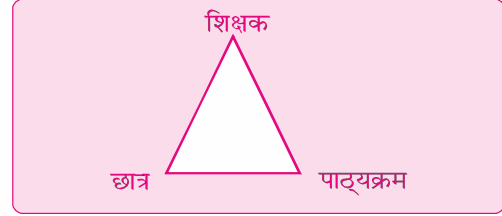
- ◆ शिक्षा मनोविज्ञान का आधार मानव व्यवहार है व मनोविज्ञान शिक्षा को आधार प्रदान करता है।
- ◆ **क्रो एण्ड क्रो के अनुसार** - शिक्षा मनोविज्ञान को व्यावहारिक विज्ञान माना जाता है, शिक्षा मनोविज्ञान सीखने के क्यों, कैसे व क्या से संबंधित है।
- ◆ आधुनिक शिक्षामनोविज्ञान के विकास में थार्नडाईक व कैटल का योगदान है।
- ◆ शिक्षा मनोविज्ञान दो शब्दों से मिलकर बना है -  
(1) शिक्षा (2) मनोविज्ञान

### शिक्षा

- ◆ **क्रो एण्ड क्रो** - शिक्षा व्यक्तिकरण व समाजीकरण की प्रक्रिया है जिसमें सर्वांगीण विकास पर बल दिया जाता है।  
**शिक्षा** - शिक्षा शब्द की उत्पत्ति 'शिक्ष्' धातु से हुई है जिसका अर्थ है सीखना।
- ◆ **उत्पत्ति** - एजुकेशन शब्द की उत्पत्ति लेटिन भाषा के एडुकेटम से हुई है। यह ए (E), ड्यूको (Duco) शब्दों से मिलकर बना है।  
- **Educatum का अर्थ** - अन्दर से बाहर निकालना।  
- **एडुकेयर Educare** - आगे बढ़ाना, प्रशिक्षित करना।  
- **एडुसियर Educere** - विकसित करना।

### सीखने के तीन तत्त्व - जॉन डीवी-

- ◆ पुस्तक - 'शिक्षा तथा समाज' में जॉन डीवी के अनुसार शिक्षा त्रिमार्गीय प्रक्रिया है, इन्होंने प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा दी जिसके अनुसार बालक एक सक्रिय विद्यार्थी होता है, इसमें रुचि, प्रयास महत्त्वपूर्ण है। शिक्षक समाज में ईश्वर का प्रतिनिधि है। शिक्षा में जनतांत्रिक मूल्यों की स्थापना पर बल व शिक्षा को सामाजिक विकास का साधन मानना व सभी बालक एक सुयोग्य शिक्षा पाने के लायक होते हैं।
- ◆ जॉन डीवी के अनुसार शिक्षा की प्रक्रिया में पाठ्यक्रम को सम्मिलित कर लिया जाये, तो हम शिक्षा को द्विमुखी प्रक्रिया न कहकर त्रिमुखी प्रक्रिया मानें जिसके तीन अंग हैं - (1) शिक्षक, (2) बालक तथा (3) पाठ्यक्रम। इन्हीं तीन अंगों की पारस्परिक क्रिया में ही शिक्षा निहित है। जॉन डीवी ने बालक को सक्रिय विद्यार्थी कहा है। उन्होंने शिक्षा में सम्पूर्णता पर बल दिया है। वह उत्तम व समग्र शिक्षा सभी तरह के बच्चों को दी जानी चाहिए न कि केवल धनी बच्चों को।  
(1) शिक्षक (2) शिक्षार्थी (3) पाठ्यक्रम/समाज



जॉन एण्डम्स ने सीखने के दो तत्व माने हैं -



- ◆ जॉन डीवी प्रथम शिक्षाविद् हैं। इन्होंने बाल केन्द्रित तथा प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा दी।
- ◆ **शिक्षा का संकीर्ण अर्थ** :- इसको **3R** कहा जाता है -
  1. लिखना (Writing)
  2. पढ़ना (Reading)
  3. गणना करना (Arithmetic)अथवा विद्यालय तक सीमित रहने वाली शिक्षा
- ◆ **शिक्षा का व्यापक अर्थ 4H** :- महात्मा गांधी ने दिया
  1. मानसिक विकास = Head
  2. भावात्मक विकास = Heart
  3. क्रियात्मक विकास = Hand
  4. शारीरिक विकास = Health
- ◆ अर्थात् वह शिक्षा जो जीवन पर्यन्त चलती है।

### शिक्षा के तीन प्रकार हैं-

1. **औपचारिक शिक्षा माध्यम (Formal)** - निर्धारित समय व स्थान पर प्राप्त शिक्षा, जैसे : विद्यालय
2. **अनौपचारिक शिक्षा (Informal)** - जिसका समय व स्थान निर्धारित नहीं होता। जैसे : परिवार
3. **निरौपचारिक शिक्षा (Nonformal)** - दूरस्थ स्थान से प्राप्त की जाने वाली शिक्षा, जैसे : पत्राचार, टी.वी. समाचार

### शिक्षा की परिभाषा-

1. **स्वामी विवेकानन्द** - 'मनुष्य में अन्तर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति ही शिक्षा है।' (The Expression of the perfection inherent in man it is education)
2. **ब्राउन** - शिक्षा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बालक के व्यवहार में परिवर्तन लाया जाता है।
3. **महात्मा गाँधी** - 'शिक्षा से मेरा तात्पर्य बालक या मनुष्य के शरीर, मस्तिष्क तथा आत्मा के सर्वोत्तम विकास की अभिव्यक्ति से है।' (By Education I mean the expression of the best de-

2. बालक के व्यक्तित्व का विकास
3. शिक्षण कार्य में सहायता प्रदान करना
4. शिक्षण विधि में सुधार
5. शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति
6. अधिगम प्रक्रिया का संयमन
7. अध्यापक को निर्देशन देना
8. समूह व गति को समझने में योगदान देना।
9. मूल्यांकन को उचित विधियों द्वारा प्रस्तुत करना।
10. अभिभावकों का मार्गदर्शन करना।
11. व्यावसायिक निर्देशन देना।
12. उचित पाठ्यक्रम बनाना।

### शिक्षा मनोविज्ञान की उपयोगिता शिक्षक के लिए

#### (Functions and Importance) -

- ◆ **गैरिसन** - मनोविज्ञान त्रुटियों से हमारी रक्षा करता है।
- ◆ **जोड** - 'शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति के वश की बात नहीं यह कला है।'
- ◆ **कोलसेनिक** - शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षक को विशिष्ट परिस्थितियों में विशिष्ट समस्या का समाधान करने के लिए निर्णय प्रदान करता है। (Education Psychology teacher in specific situations provides decisions to solve specific problems)
- ◆ **स्कीनर** - 'शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षक के लिए तैयारी की आधारशीला है। (Education psychology is the cornerstone of teacher preparation)', यह अध्यापक को शिक्षण विधियों का चुनाव करने व सीखने के अनेक सिद्धान्त प्रस्तुत करने में मदद करता है।
- ◆ **एलिस क्रो** - शिक्षकों को अपने शिक्षण में मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों का प्रयोग करना चाहिए जो सफल व प्रभावी शिक्षण के लिए आवश्यक है। (Teachers should use psychological principles in their teaching which is necessary for successful and effective teaching)
- ◆ **मॉण्टेसरी** - शिक्षक को प्रयोगात्मक मनोविज्ञान का जितना अधिक ज्ञान होता है वह उतना ही जानता है कि कैसे पढ़ाया जाये। (The more a montessori teacher has knowledge of experimental psychology, the more he knows how to teach)
- ◆ **कोलसेनिक** - शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षक को यह निर्णय प्रदान करने में सहायता देता है वह विशिष्ट परिस्थितियों में विशिष्ट समस्याओं का समाधान कैसे करें।
- ◆ **कुप्पुस्वामी** - मनोविज्ञान शिक्षक को अनेक धारणाएँ व सिद्धान्त प्रदान करके उसकी उन्नति में योगदान देता है। (Psychology contributes of the progress of the teacher by providing him with many concepts and principles)
- ◆ **पील** - शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को विद्यार्थी के विकास को

समझने, क्षमताओं को जानने, सीखने की प्रक्रिया अवगत कराता है।

- ◆ **ब्लेयर** - मनोविज्ञान निष्पक्ष की विधियों से अप्रशिक्षित कोई भी व्यक्ति उन कार्यों व कर्तव्यों का पालन नहीं कर सकता है जिसका दायित्व उस पर हो।
  - ◆ **थॉमस फूलर** - अध्यापकों को उतने ही बच्चों के स्वभाव का ज्ञान होना चाहिए जितना कि पुस्तकों का।
1. जन्मजात स्वभाव का ज्ञान प्राप्त करने में सहायक। (Helpful in getting knowledge of innate nature)
  2. बालक की आवश्यकताओं व समस्याओं को जानने में सहायक। (Helpful in knowing the needs and problems of the child)
  3. बाल विकास का ज्ञान प्राप्त करने में सहायक। (Helpful in gaining knowledge of child development)
  4. व्यक्तिगत विभिन्नताओं को जानने में सहायक। (Helpful in knowing individual differences)
  5. चरित्र निर्माण में सहायक। (Helpful in character building)
  6. विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक। (Helpful in the all round development of the students)
  7. शिक्षण विधि का चयन करने में सहायक। (Helpful in selecting the teaching method)
  8. समय सारणी का निर्माण करने में सहायक। (Helpful in making time table)
  9. आत्मानुशासन स्थापित करने में सहायक। (Helpful in establishing self-discipline)
  10. उपयोगी पाठ्यक्रम का निर्माण करने में सहायक। (Helpful in creating useful curriculum)
  11. शिक्षण को प्रभावी बनाने में सहायक। (Helpful in making teaching effective)
  12. अचेतन मन का ज्ञान प्राप्त करने में सहायक। (Helpful in gaining knowledge of the unconscious mind)
  13. निर्देशन ज्ञान प्राप्त करने में सहायक। (Helpful in acquiring directing knowledge)
  14. अध्यापक छात्र संबंधों को सुधारने में सहायक। (Helpful in improving teaching student relations)
  15. आत्मज्ञान में मदद में सहायक। (Helpful in thlping in enlightenment)
- **नोट** - समूह गत्यात्मकता को जानने, बालक को समझने व कक्षागत समस्याओं के समाधान में योगदान देता है।

#### शिक्षार्थी अधिगमकर्ता के लिए शिक्षा मनोविज्ञान की उपयोगिता-

- ◆ **विलियम जेम्स** - पुस्तक 'टांक टू टीचर्स' ( शिक्षा मनोविज्ञान

# 2

## किशोर अधिगमकर्त्ता का विकास

- (1) विकास का अर्थ/अभिवृद्धि, तुलनात्मक वर्णन/सिद्धान्त (2) वंशानुक्रम व वातावरण की भूमिका व अन्य कारक  
(3) शैशववस्था बाल्यवस्था, किशोर अधिगमकर्त्ता का विकास व निहितार्थ (4) शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक, नैतिक विकास व सिद्धान्तों के निहितार्थ (5) विशेष तथ्य

### बाल विकास का प्रारम्भिक इतिहास -

- ◆ प्लेटो ने अपनी पुस्तक Republic में बताया है कि बाल्यवस्था के प्रशिक्षण का प्रभाव बालक के व्यवसायिक दक्षता व समायोजन पर प्रभाव पड़ता है।
  - ◆ कोमेनियस (17वीं शताब्दी) (1628) ने School of Infancy (शिशु विद्यालय) की स्थापना की तथा बताया कि सीखने की क्षमता पर उम्र व अनुभव का प्रभाव पड़ता है।
  - बच्चों की तरफ व्यापक दिलाने वाले मनोवैज्ञानिक
  - शिक्षक को प्रकृति के नक्शे कदम पर चलना चाहिए। (सीखने की क्षमता पर उम्र व अनुभव का प्रभाव पड़ता है।)
  - पुस्तक - 'द ग्रेट डिडक्टिव' लिखी।
  - लैटिन शिक्षा पर बल, प्रकृति के रास्ते की वकालत (प्रकृतिवाद में बालक सबसे महत्वपूर्ण होता है।)
  - ◆ ब्लॉक (18 वीं शताब्दी) - बालक की रुचि, इच्छा व क्षमता पर बल व व्यक्तित्व निर्माण में वातावरण के योगदान को स्वीकार किया।
  - ◆ पेस्टालॉजी - 1774 वैज्ञानिक अध्ययन (3½ वर्ष के पुत्र पर) किया।
  - ◆ टाईडमैन ने शारीरिक व मानसिक विकास पर अध्ययन किया।
  - ◆ टैन ने 1869 में Infant Child Development पुस्तक की रचना की।
  - ◆ डार्विन ने Biographical Sketch of an Infant की रचना की।
  - ◆ प्रेयर - The Mind of Child पुस्तक में 3 वर्ष के पुत्र का का अध्ययन, मानसिक विकास पर।
  - ◆ सली ने 1892 ब्रिटिश एसोसियसट फोर चाईड स्टडी की स्थापना।
  - ◆ गैसेल ने Infancy and Human Growth, Guidance of Mental Growth, 1930 में प्रकाशन किया।
  - ◆ बाल विकास का वैज्ञानिक अध्ययन - पैस्टालॉजी (1774 ई.)
  - ◆ बाल विकास का सर्वप्रथम अध्ययन - जॉन लॉक व थॉमस होब्स ने किया।
  - ◆ रूसो ने अपनी पुस्तक 'ईमाइल' (रूसो का काल्पनिक शिष्य) में बच्चों की शिक्षा का अध्ययन किया है।
  - ◆ बाल अध्ययन आन्दोलन की शुरुआत - अमेरिका (न्यूयार्क 1893 ई.) स्टेनले हॉल ने की है।
  - ◆ दो समितियों की स्थापना की (स्टेनले हॉल) - (i) बाल अध्ययन समिति (ii) बाल कल्याण समिति
- नोट :** बाल विकास का प्रश्नावली विधि द्वारा सर्वप्रथम अध्ययन करने वाले - स्टेनले हॉल, पत्रिका - 'पेडो लोजिकल सेमेनरी'

- ◆ प्रथम बाल सुधार गृह की स्थापना - अमेरिका (न्यूयार्क 1887)
- ◆ प्रथम बाल निर्देशन स्थापना - विलियम हिली, शिकागो में, 1909
- ◆ भारत में बाल अध्ययन की शुरुआत - 1930 ई. (ताराबाई मोडेक द्वारा)
- ◆ भारत में गिजू भाई बधेका ने मॉण्टेसरी से प्रभावित होकर 1920 में बाल मंदिर संस्था (गुजरात) में स्थापित की। बाल केन्द्रित शिक्षा पर बल दिया।

### परिभाषा -

- ◆ क्रो एण्ड क्रो - 'बाल मनोविज्ञान वह वैज्ञानिक अध्ययन जिसमें गर्भकाल से लेकर किशोरावस्था के प्रारम्भ तक का अध्ययन किया जाता है।' (Child psychology is the scientific study in which the period from conception to the beginning of adolescence is studied)
- ◆ वेबस्टर शब्द कोष - विकास परिवर्तनों की वह शृंखला है, जिससे जीव भ्रूणावस्था से परिपक्वता की अवस्था तक पहुँचता है?
- ◆ जेम्स ड्रेवर - बालमनोविज्ञान मनोविज्ञान की वह शाखा है जिसके जन्म से परिपक्वावस्था तक विकसित हो रहे मानव का अध्ययन होता किया जाता है।
- ◆ आइजेंक - बाल मनोविज्ञान का संबंध बालक में मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया के विकास से है।
- ◆ मॉरिया मॉण्टेसरी - बालक में सच्ची शक्ति का निवास होता है उसकी मुस्कुराहट ही सामाजिक प्रेम व उल्लास की आधारशीला है।
- ◆ फ्रोबेल - बालक स्वयं विकासोन्मुख होने वाला पौधा है।
- ◆ गैरेट - आनुवांशिकता व वातावरण एक दूसरे के सहयोगी हैं दोनों ही बालक की सफलता के लिए अनिवार्य हैं।
- ◆ बर्क - बाल विकास मनोविज्ञान की वह शाखा है जिसमें व्यक्ति की जन्म पूर्व अवस्था से परिपक्व अवस्था तक होने वाले परिवर्तनों को स्पष्ट किया जाता है। (Burke - Child development is the branch of psychology in which the changes occurring from the pre-birth stage to the mature stage of the individual are explained)
- ◆ आइजेन्क - बाल मनोविज्ञान में गर्भकाल से लेकर परिपक्वावस्था तक बालक की मनोवैज्ञानिक विकास प्रक्रिया का अध्ययन किया जाता है।
- ◆ हरलॉक - बाल विकास में बालक के रूप, व्यवहार रुचियों व लक्ष्यों के होने वाले परिवर्तनों की खोज पर बल दिया है जो एक

5. रूथ बेनडिक्ट/मार्गरेट मीड - मानव शास्त्रीय सिद्धान्त (संस्कृति को आधार) सांस्कृतिक आदतों व मानकों सामाजिक व आक्रामकता को कारण माना जाता है। (Ruth Benedict Margaret mead anthropological theory (basis of culture) cultural habits and norms are considered to be the cause of social and aggression)

### किशोरावस्था की समस्याएँ -

1. शारीरिक परिवर्तनों की समस्या (कोलसेनिक)(Problem of physical changes (kolsenic) - शरीर व स्वास्थ्य की चिन्ता रहती है।
2. मानसिक विकास में जिज्ञासा की समस्या (The problem of curiosity in mental development) - प्रश्न नहीं पूछ पाना।
3. संवेगों की अस्थिरता की समस्या (Problems with instability of emotions) - क्रोध, घृणा, चिड़चिड़ापन
4. महत्वाकांक्षा की समस्या (Problems with ambition) - एक साथ विभिन्न कार्य
5. अपराधी प्रवृत्ति की समस्या (The problem of criminal tendency) - वेलेन्टाईन
6. मानसिक द्वन्द्व की समस्या (The problem of mental conflict remains confused) - उलझन में रहता है।
7. सामाजिक दबाव की समस्या (Problem of social pressure)
8. मादक द्रव्य की समस्या (Drug problem) - नशा करना
9. अपचार की समस्या (abuse problem) - चोरी करना, झुठ बोलना, घर से भाग जाना।
10. आहार-विकार की समस्या (Problem of eating disorder) - दो रूप में होती है -

◆ **एलोक्सिया नरवोसा (Aloxa nervosa)** - (क्षुदा अभाव)अपने आप को पतला रखने का प्रयास

◆ **बुलिमिया (Bulimia)** - अत्यधिक भोजन ग्रहण विकार। यह दो प्रकार को होता है। 1. पर्जिंग बुलिमिया 2. नॉन पर्जिंग बुलिमिया

◆ **रोजर** - 'किशोरावस्था समाज में प्रभावशाली भाग लेने के लिए विश्वासों की प्राप्ति का समय है।'

शरीर के अवयवों में परिवर्तन - मासिक धर्म, स्वप्न दोष

### किशोरावस्था की विशेषताएँ (अधिगमकर्ता) -

1. अधिकतम शारीरिक विकास (Maximum Physical Development) - सभी प्रकार के शारीरिक परिवर्तन जैसे - लड़कियों में मूल यौन गुण (Primary sex characteristics) तथा गौण यौन गुण (Secondary sex characteristics) लड़कों से एक दो साल पहले ही दिखलाई देने लगता है। मूल यौन गुण (Pri-

mary sex characteristics) से तात्पर्य यौन अंगों की पूर्ण परिपक्वता (Maturity) से होता है तथा गौण यौन गुण (Secondary sex characteristics) लड़कियों में स्तनवृद्धि, आवाज में मधुरता आदि के रूप में दिखाई देने हैं तथा लड़कों में मूँछ-दाढ़ी निकल जाना, आवाज भारी हो जाना आदि के रूप में दिखाई देता है।

2. अधिकतम मानसिक विकास (Maximum mental development) (14 से 16 वर्ष तक)
3. दिवास्वप्न की प्रवृत्ति (Tendency to daydream) - दिन में सपने देखना।
4. व्यक्तिगत व घनिष्ठ मित्रता (Personal and close friendship) - वेलेन्टाईन
5. संवेगात्मक विकास की प्रबलता (Strength of emotional development) - संवेग अस्थिर हो जाते हैं, संवेग अनुभवों में वास्तविकता आती है।
6. समायोजन का अभाव (Lack of adjustment)
- ◆ **जॉन्स** - किशोरावस्था शैशवावस्था का पुनरावर्तन है।
7. वीर पूजा (HeroWorship) (नायक पूजा) - किसी को आदर्श बनाना व अनुकरण करना।
8. चिन्ताओं में वृद्धि (Increase in worries) - जैसे भविष्य, नौकरी, अध्ययन, शादी।
9. रूचियों में परिवर्तन (Change in interests) - पूर्व किशोरावस्था में होती है।  
सिनेमा, साहित्य, संगीत, खेल व ललित कला आदि।
- ◆ **स्ट्रेंग :-** '15 वर्ष तक रूचियाँ बदलती रहती हैं इसके बाद स्थिर हो जाती हैं।' (Interests keep changing till the age of 15, after that they become stable)
10. समाजसेवा की भावना (Spirit of social service)
- **जे. एस रॉस** - 'किशोर समाज सेवा के आदर्शों का निर्माण तथा पोषण करता है।' (Ideals of adolescent social service and nourishes)
11. समूह के प्रति भक्ति (Devotion of the group)
- **बिग एवं हण्ट** - 'किशोरावस्था में बालकों के प्रत्येक कार्य समूह से प्रभावित होते हैं।' (Each task group of children in adolescence are affected by)
12. स्थिति व महत्त्व की अभिलाषा (Desires for status and importance):-
- **ब्लेयर जोन्स** - किशोर महत्त्वपूर्ण बनाना, समूह में स्थिति प्राप्त करना चाहता है। (Teen Headlining, gaining gang status wants to do)
13. स्वतंत्रता एवं विद्रोह की भावना (Spirit of Freedom and

### 3. प्रत्यय (Concept) -

#### • बोरिंग व अन्य के अनुसार -

किसी देखी गई वस्तु की मानसिक प्रतिमा प्रत्यय कहलाती है।

#### • वुडवर्थ -

प्रत्यय वे विचार हैं जो वस्तुओं, घटनाओं, गुणों का उल्लेख करते हैं।

**विशेष :** संप्रत्यय निर्माण की प्रक्रिया संवेदनाओं से प्रारम्भ होती है। इसके बाद प्रत्यक्षीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है। संवेदना, प्रत्यक्षीकरण और प्रत्यय निर्माण तीनों एक दूसरे से संबंधित हैं।

#### ◆ प्रत्यय की विशेषता -

(i) यह ज्ञान प्राप्ति की तीसरी सीढ़ी है। संवेदना + पूर्व अनुभव + प्रत्यक्षीकरण = प्रत्यय।

(Its is the third step to attain knowledge. Sensation + prior experience + perception = Concept)

(ii) प्रत्यय का सम्बन्ध हमारे विचार व अनुभवों से होता है। (Concept is related to our thoughts and experiences)

(iii) प्रत्यय एक वर्ग की सामान्य गुणों व विशेषताओं का सामान्य ज्ञान प्रदान करता है। (Concept General knowledge of general properties and characteristics of a class provides)

(vi) प्रत्यय आरम्भ में अस्पष्ट व अनिश्चित होते हैं। धीरे-धीरे स्पष्ट व निश्चित होते जाते हैं। (Concept are initially vague and uncertain. Gradually they become clear and definite)

(v) एक वस्तु के सम्बन्ध में विभिन्न व्यक्ति के विभिन्न प्रत्यय हो सकते हैं। (Different people may have different ideas about the same thing)

◆ **प्रत्यय निर्माण के चरण -** (i) निरीक्षण (Observation) (ii) तुलना करना (Comparing) (iii) पृथक्कीकरण (Separation) (iv) सामान्यीकरण (Generalization) (v) परिभाषा निर्माण (Definition formation)

#### ◆ सम्प्रत्यय निर्माण -

• सम्प्रत्यय ऐसे निर्माण को कहा जाता है जिससे वस्तुओं की सामान्य विशेषताओं का पता चलता हो। यह चिन्तन का प्रमुख साधन है।

• **बैरोन -** संप्रत्यय उन वस्तुओं, घटनाओं, अनुभूतियों विचारों को जो एक या अधिक अर्थ में एक दूसरे से समान होते हैं के लिए एक मानसिक श्रेणी है।

◆ **सम्प्रत्यय के दो तथ्य -** (i) गुणों का समूह (ii) नियमों से सम्बन्धित

#### ◆ सम्प्रत्यय के प्रकार :-

(i) कृत्रिम सम्प्रत्यय - जो नियमों व गुणों द्वारा परिभाषित हो।

(ii) स्वाभाविक - जिसके कोई स्पष्ट पारिभाषिक गुण नहीं होता है।

(iii) साधारण - जिसकी एक विशेषता है। जैसे - पीला, लाल

(iv) जटिल - दो या दो से अधिक विशेषताओं को दर्शाता है।

इसके पाँच प्रकार हैं - (i) समुच्चयबोधक (ii) वियोजक (iii) सम्बन्धात्मक (iv) प्रतिबंधित (v) द्विप्रतिबंधित

#### ◆ सम्प्रत्यय निर्माण को प्रभावित करने वाले कारक -

(i) स्थानान्तरण (ii) विभिन्नता (iii) सामग्रियों को जोड़-तोड़ करने की योग्यता (iv) निदेशात्मक वृत्ति (v) संगत उपलब्ध सूचनाएँ (vi) नियम का स्वरूप (vii) शब्द भण्डार (viii) पर्यावरण

◆ **सम्प्रत्यय सीखने की विधियाँ -** (i) प्राप्ति या ग्रहण विधि (ii) चयन विधि

#### सम्प्रत्यय -

(i) **संयोजक सम्प्रत्यय (Conjunctive)** - किसी वस्तु या उद्दीपक को दो या दो से अधिक विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत करना है जैसे वस्तु वर्गाकार व लाल है।

(ii) **वियोजक सम्प्रत्यय (Disjunctive Concept)** - वे सम्प्रत्यय जिनके मूल्यों व विशेषताओं को एक-दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त किया जाता है।

(iii) **प्रतिबंधित सम्प्रत्यय (Conditional)** - जब सम्प्रत्यय के लिए शर्त लगायी जाती है सप्रतिबंध सम्प्रत्यय जैसे वस्तु लाल है तो सम्प्रत्यय के लिए उसे आयताकार होना चाहिए।

(iv) **द्विप्रतिबंधित सम्प्रत्यय (Biconditional)** - इसमें दोहरी शर्त लगी होती है। **जैसे :** लाल वस्तु सम्प्रत्यय जो हर हाल में आयताकार है।

(v) **सम्बन्धात्मक सम्प्रत्यय (Relational)** - वस्तु में आपस में संबंध सीखा जाता है जैसे कोई वस्तु छोटी है या बड़ी।

#### सम्प्रत्यय निर्माण की विधियाँ -

(i) **प्राप्त विधि** - इसमें उद्दीपकों को एक-एक करके प्रस्तुत किया जाता है उनमें से सम्प्रत्यय का पता लगाना।

(ii) **चयन विधि** - इसमें प्रयोज्य इच्छानुसार उद्दीपकों की जांच करता है। **विशेष** - सम्प्रत्यय चिंतन का भाग है इसका संबंध प्रतीकों से है।

### 4. चिन्तन (Thinking) -

• **कॉगन व हैमेन** के अनुसार - प्रतिमाओं, प्रतिकों, सम्प्रत्ययों, नियमों के मानसिक जोड़-तोड़ को चिंतन कहा जाता है। (चिंतन की सामग्री में पदार्थ/उद्दीपक, प्रतिमा, प्रत्यय व संकेत होते हैं।) (According to Cogan and Hymen, Images, symbols, ideas and signs)

• **रॉस** के अनुसार - चिन्तन मानसिक क्रिया का ज्ञानात्मक पहलू है। (According to Ross- thinking is the cognitive aspect of mental activity)

• **वेलेन्टाइन** - जिसमें शृंखलाबद्ध विचार किसी लक्ष्य या उद्देश्य

## अधिगम (Learning)

- (1) अधिगम अर्थ, परिभाषा, सोपान (2) प्रकृति, प्रभावित कारक, नियम  
(3) व्यवहारवादी, संज्ञानवादी व निर्मितवादी सिद्धान्त व निहितार्थ  
(4) अधिगम स्थानान्तरण वक्र, पठार, अधिगम अक्षमता (5) अधिगम उपागम व शैलियां

- ◆ **शाब्दिक अर्थ** - सीखना
- ◆ व्यवहार में वांछित/अपेक्षित स्थाई परिवर्तन ही अधिगम है जो प्रशिक्षण, अनुभव व अभ्यास द्वारा होते हैं।
- नोट** : अधिगम में थकान, बीमारी, मूल प्रवृत्तियों व परिपक्वता से हुये परिवर्तन शामिल नहीं हैं। यद्यपि परिपक्वता अधिगम को प्रभावित करती है।

### अधिगम संबंधी विभिन्न दृष्टिकोण -

- व्यवहारवादी दृष्टिकोण (Behaviouristic View)** - अनुभव के परिणामस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है, वातावरण से सीखता है।
- गेस्टाल्टवादी दृष्टिकोण** - अधिगम सम्पूर्ण स्थिति की सम्पूर्ण प्रतिक्रिया है।
- हार्मिक दृष्टिकोण** - अधिगम लक्ष्य केन्द्रित रूप है।
  - प्रतिपादक - मैक्डूगल
- क्षेत्रीय दृष्टिकोण (Field View)** -
  - **कुर्त लेविन** - अधिगम किसी स्थिति का प्रत्यक्ष ज्ञानात्मक संगठन है, प्रेरणा कहलाती है।
- प्रत्यक्ष व भूल दृष्टिकोण** - थार्नडाईक प्रयत्न व भूल ही सीखना अधिगम है।
- संरचनावादी दृष्टिकोण (Constructive View)** - अधिगम पूर्व अनुभव के आधार पर ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया है।

### परिभाषा -

- ◆ **हिलगार्ड** - नवीन परिस्थितियों में अपने आप को अनुकूलित करना ही अधिगम है।
- ◆ **वुडवर्थ** - (Learning is a process of a Development) 'सीखना विकास की प्रक्रिया है।' अनुभवों में वृद्धि ही अधिगम है।
- ◆ **क्रो एण्ड क्रो** - (Learning acquisition of habits, knowledge and attitude) 'आदत ज्ञान एवं अभिवृत्तियों का अर्जन करना ही अधिगम है।'
- ◆ **गेट्स एवं अन्य** - (Change in behavior through training and experience is a learning) 'प्रशिक्षण एवं अनुभव द्वारा व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है।'
- ◆ **स्कीनर** - (Learning is the process of progress in the acquisition of behavior) 'व्यवहार के अर्जन में उन्नति की प्रक्रिया ही अधिगम है।' 'व्यवहार में उत्तरोत्तर सामंजस्य की

प्रक्रिया ही अधिगम है।'

- ◆ **गिलफोर्ड** - (Learning is the change in behavior due to behavior) 'व्यवहार के कारण व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है।'
- ◆ **मार्गन व किंग** - अभ्यास या अनुभूति के परिणामस्वरूप व्यवहार में होने वाले अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन सीखना है।
- ◆ **रिली व लेविस** - अभ्यास या अनुभूति से व्यवहार में धारण योग्य परिवर्तन सीखना है। (Learning is a relatively permanent Change in behavior though maturation as a result of experience or experience)
- ◆ **पील** - 'व्यक्ति में परिवर्तन ही अधिगम है।' जो वातावरण में परिवर्तन के अनुसरण में होता है। (Learning is the change in the individual. 'which occurs in response to changes in the environment)
- ◆ **डेनियल बैल के अनुसार** - 'अधिगम व्यक्ति की शक्तियों तथा वातावरण की अन्तः क्रिया द्वारा सुधार का नाम है।'
- ◆ **हिलगार्ड एवं एटकिन्सन** - 'पुराने अनुभवों के परिणामस्वरूप व्यवहार में होने वाला स्थायी परिवर्तन अधिगम कहलाता है।'
- ◆ **कॉलविन** - 'पहले से निर्मित व्यवहार में अनुभवों द्वारा सुधार अधिगम है।
- ◆ **क्रानबैक** - सीखना अनुभव के परिणामस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन द्वारा व्यक्त होता है।
- ◆ **थॉर्नडाईक** - उपयुक्त अनुक्रिया के चयन व उत्तेजना से जोड़ने को अधिगम कहते हैं।
- ◆ **गार्डनर मरफी** - अधिगम में वातावरण संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए व्यवहार में होने वाले सभी परिवर्तन शक्ति है।
- ◆ **पावलॉव** - 'अनुकूलित क्रिया के परिणाम स्वरूप आदत का निर्माण ही अधिगम है।'

### अधिगम प्रक्रिया (Process of Learning) -

- ◆ **हिलगार्ड** - पुस्तक में 'Theories of Learning' अधिगम ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा क्रिया प्रारम्भ होती है।
- ◆ **स्मिथ** - पुस्तक 'Psychology in Teaching' में अधिगम प्रक्रिया में चालक, लक्ष्य व लक्ष्य के अवरोधक होना आवश्यक।

आवश्यकता (प्रेरक)



तत्परता



- (i) **क्लासिकी संज्ञानवादी** - वर्दीमर, कोहलर, कोपका, पियाजे, टालमैन, लैविन
- (ii) **आधुनिक संज्ञानवादी** - आशुबेल, ब्रूनर, बाण्डुरा, नारमैन, बोल्स, बिण्डरा आदि।

### संज्ञानात्मक सिद्धान्त -

1. पियाजे का संज्ञानात्मक विकास - बौद्धिक विकास को आयु से संबंधित विकास बताया है।
2. अन्तः दृष्टि का सिद्धान्त - कोहलर
3. कुर्त लेविन - क्षेत्र सिद्धान्त
4. बाण्डुरा - सामाजिक अधिगम सिद्धान्त
5. गेने - अधिगम सोपान
6. टॉलमैन - चिह्न अधिगम

### 1. जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त - (Cognitive Development Theory)

- ◆ जीन पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास का व्यवस्थित अध्ययन किया है व यह कहा कि मैं प्रशिक्षण से प्रकृतिवादी व जीव वैज्ञानिक हूँ।
- ◆ जीन पियाजे की पुस्तके -
- ◆ **पुस्तके** - Six psychology of studies, cognitive development of child  
The Psychology of Intelligence  
The Psychology of Child  
\* The Language and thought of the child  
\* The Child conception of the world  
The Origins of intelligence in Child  
Play, Dreams and Imitation in Childhood  
The Construction of reality in the child  
Behaviour and Evolution  
Psychology and Epistemology
- ◆ कथन - 'बालक वातावरण के साथ संबंध बनाते हुए समझ का विकास करता है।' व बच्चा अपने मन का निर्माण सक्रिय रूप से करता है। वह जन्म से क्रियाशील व सूचना प्रक्रमित करने वाले प्राणी। 'Active and information processing of Being'

- ◆ प्रयोग - लारेन्ट, ल्यूसीन व जेक्लीन पर प्रयोग

### जीन पियाजे की संज्ञानात्मक विकास की प्रमुख विशेषताएँ -

- ◆ पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक विकास असतत (Uncontinuous), आरोही / गतिवर्धन (Ascending) - निम्न से उच्चतर चलता है-
- ◆ पियाजे के अनुसार मानव विकास के तीन पक्ष होते हैं -
- (i) जैविक परिपक्वता (Biological Maturity)
- (ii) भौतिक वातावरण से प्राप्त अनुभव (Experience Gained from the Physical Environment)

- (iii) सामाजिक वातावरण से प्राप्त अनुभव (Experience Gained from the Social Environment)

इस में पियाजे ने जैविक परिपक्वता को महत्वपूर्ण माना है।

- ◆ **पियाजे** - बुद्धि की व्यावहारिक व्याख्या करते हुये बुद्धि को अर्जित योग्यता बताया है।
  - ◆ पियाजे ने बुद्धि की व्याख्या संगठन व अनुकूलन के रूप में की है।
  - ◆ **संगठन (Organization)** - यह सभी बौद्धिक संरचनाओं का समाहित रूप है।
  - ◆ पियाजे तार्किक चिंतन के विकास के लिए बाल्यवस्था को महत्वपूर्ण मानते हैं।
  - ◆ विद्यार्थी को त्रुटि करने व स्वयं सुधारने का समय मिलना चाहिए।
  - ◆ पियाजे ने बताया कि संज्ञानात्मक विकास असतत् ही होता है व एक अवस्था से दूसरी अवस्था में गुणात्मक रूप से भिन्न होता है।
  - ◆ पियाजे संज्ञानात्मक संरचना (Cognitive Structure) का प्रयोग किया है यह मानसिक क्षमता के सेट को कहा जाता है।
  - ◆ प्रयोग एक महत्वपूर्ण गतिविधि है।
  - ◆ संज्ञानात्मक विकास में शिशु कक्षा में संगीतमय खेल, पेंटिंग, अभिनय को शामिल करना चाहिए यह बालक के वस्तुनिष्ठ व तार्किक गणितीय अमूर्तीकरण विकास में सहायक है।
  - ◆ बच्चों को छोटे-छोटे समूह बनाकर परस्पर क्रिया व विचार विनियम द्वारा सीखना का अवसर मिले।
  - ◆ श्रव्य, दृश्य सामग्री का प्रयोग व्यक्तिगत अन्वेषण में एक सहायक के रूप में किया जाये।
- पियाजे के संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त की महत्वपूर्ण धारणा निम्न हैं -

- (1) **स्कीमा (Schemas)** - बालकों में विशेष ढंग से अनुक्रिया करने की सामान्य अन्तःशक्ति जिसके द्वारा वे वातावरण उद्दीपकों के बारे में सोचते हैं, समझते हैं, प्रत्यक्ष करते हैं अर्थात् एक प्रबल व्यक्ति वातावरण के प्रति किस तरह अनुक्रिया करेगा व कैसे सीखेगा यह स्कीमा तय करती है स्कीमा की अभिव्यक्ति स्पष्ट व अस्पष्ट व्यवहार दोनों के रूप में हो सकती है व इस स्कीमा में परिवर्तन होता रहता है यह परिवर्तन समायोजन से होता है।

- ◆ पियाजे के अनुसार सीखना का तात्पर्य संज्ञानात्मक संरचना में अर्थपूर्ण परिवर्तन से है।
- ◆ वुड/वुड ने भी स्कीमा को वातावरण की सूचना, घटना व वस्तु की पहचान व व्याख्या के रूप में परिभाषित किया।
- ◆ व्यक्ति या वस्तु के प्रति व्यवहार का तरीका या ढंग स्कीमा है जिदंगी के विशेष पहलू या क्षेत्र के बारे में सूचनाओं की संघटित संरचना 'स्कीमा' है।
- ◆ यह दो प्रकार - (i) व्यवहारात्मक स्कीमा - शारीरिक क्रिया (ii)



**Learning** - कैण्डलर ने व्याख्या की किसी वस्तु या घटना की व्याख्या, किसी वर्ग या गुण के आधार पर करना। जैसे - रंग के आधार लाल, काला, सफेद की व्याख्या।

**(vii) सिद्धान्त अधिगम (Principal Learning)** - नियमों के आधार पर समस्या की व्याख्या की जाती है जैसे - न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण का नियम, थार्नडाईक के नियम आदि। सिद्धान्तों को सीखना व प्रयोग करना।

**(viii) समस्या समाधान अधिगम (Problem Solving Learning)** - सर्वोत्तम प्रकार, इसे व्यक्तिगत अधिगम का प्रकार भी कहा जाता है, श्रेष्ठ अधिगम भी कहा जाता है।

**जैसे :** रेखागणित में किसी प्रमेय को हल करना। अधिगम को

**आशुबेल का आधुनिक संज्ञानात्मक सिद्धान्त के अनुसार**

**अधिगम के प्रकार-**

**पुस्तक का नाम - The Cognitive View**

◆ **अधिगम के प्रकार (Kinds of Learning)** प्रतिपादक - आशुबेल प्रकार - चार प्रकार के होते हैं -

- 1. अभिग्रहण सीखना (Reception Learning)** - बालक को विषयवस्तु बोलकर या लिखकर दी जाती है बालक उसे आत्मसात कर लेते हैं।
- 2. अन्वेषण सीखना (Explorative Learning)** - बालक दी गई सामग्री में से नया विचार की खोज करके सीखता है यह अर्थपूर्ण भी हो सकता है रटकर भी हो सकता है। यह समस्या समाधान आधारित होता है।
- 3. रटकर सीखना (Rote Learning)** - बालक दी गई सामग्री को बिना समझे सीखता है। हू-ब-हू सीखना। जैसे-निरर्थक पदों को सीखना।
- 4. अर्थपूर्ण सीखना (Meaningful Learning)** - इसमें सीखने वाली सामग्री के सार तत्व को समझना व उसे पूर्व ज्ञान से जोड़ते हुए सक्रिय व अतःक्रियात्मक सीखना।

**नोट :** आशुबेल ने अर्थपूर्ण सीखने को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुये इसमें आत्मसात्करण को महत्वपूर्ण माना है यह 4 प्रकार का होता है - (1) संयोगात्मक सीखना (2) अधीनस्थ सीखना (3) सह संबंधात्मक सीखना (4) महाकोटि सीखना।

◆ आशुबेल ने सीखने को निगमनात्मक (Deductive) माना है।

**अधिगम के अन्य प्रकार-**

- 1. वाचिक अधिगम (Verbal Learning)** - यह केवल मनुष्य में होता है शब्दों के माध्यम से ज्ञान का अर्जन होता है इसमें निरर्थक शब्दांश, परिचित शब्द, वाक्य व अनुच्छेद का प्रयोग होता है।

**वाचिक अधिगम की विधियाँ :-**

**(i) युग्मित सहचर विधि** - इसमें मातृभाषा के शब्दों के किसी विदेशी भाषा के पर्याय सीखने में होता है। युग्म का पहला शब्द उद्दीपक के रूप में निरर्थक शब्दांश होता है दूसरा शब्द अंग्रेजी संज्ञा में अनुक्रिया होता है।

**(ii) क्रमिक अधिगम** - इसमें यह देखा जाता है कि प्रतिभागी शाब्दिक एकांश को किस तरह सीखता है।

**(iii) मुक्त पुनः स्मरण** - शब्दों को किसी भी क्रम में पुनः स्मरण करने के लिए कहा जाता है।

**वाचिक अधिगम के गोचर ( घटना ) -**

**(i) अशुद्ध साहचर्य** - यह क्रमिक अधिगम अवस्था में होता है। यह अग्रगामी व पृष्ठभूमि के रूप में हो सकता है।

**(ii) क्रमिक स्थिति वक्र** - क्रमिक विधि में पहले व अन्तिम शब्द की अपेक्षा मध्य वाले शब्द विलम्ब से होते हैं।

**(iii) दोलन व्यापार (Oscillation Phenomena)** - क्रमिक अधिगम करते समय जब हम कोई ऐसा शब्द दुहराने में असफल हो जाते हैं जो पिछले प्रयास में सही-सही दुहराया जा चुका है इसे दोलन व्यापार कहते हैं।

**(iv) श्रेणी गुच्छन (Category Clustering)** - प्रयोज्य परस्पर सम्बन्धित शब्द को दोहराते समय पारस्परिक दूरी के बावजूद उन्हें एक वर्ग से संबंध करके दोहराता है। यही श्रेणी गुच्छन है।

**(v) कूट संकेतन** - यह निरर्थक सामग्री का अधिगम करने में किया जाता है।

**2. सम्प्रत्यय अधिगम (Concept)** - सम्प्रत्यय एक श्रेणी है जिसका उपयोग अनेक वस्तु व घटना के लिए किया जाता है यह दो प्रकार के होते हैं -

**(i) कृत्रिम सम्प्रत्यय** - जो सुपरिभाषित हो व आवश्यक विशेषताओं के साथ पर्याप्त हो। जैसे : वर्ग

**(ii) स्वाभाविक** - अच्छे से परिभाषित नहीं होते व बहुत सी विशेषताएँ होती हैं। जैसे : मकान, कपड़े

**3. कौशल अधिगम** - जटिल कार्य को दक्षता के साथ करना कौशल अधिगम है कौशल की प्रक्रिया 3 चरणों में होती है -

(i) संज्ञानात्मक (ii) साहचर्यात्मक व (iii) स्वायत्त।

**4. परिपृच्छा अधिगम (Inquiring Learning) -**

• यह समस्या समाधान के कौशल पर आधारित यह छात्र केन्द्रित उपागम है इसमें प्रश्न पूछकर और उत्तर का विवेचन करके नवीन ज्ञान की खोज होती है।

• यह एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी कुछ न कुछ सीखता रहता है व सीखे हुये ज्ञान का चिंतन व मनन करता है इसमें बालक अपनी जिज्ञासा व मन में चल रहे प्रश्नों को अध्यापक के समक्ष रखता है व शंका को दूर करता है।

• **परिपृच्छा के अधिगम के अनुसार प्रकार -**

# 4

## समायोजन, कुसमायोजन व रक्षा युक्तियाँ

(1) समायोजन अर्थ, प्रकृति, विशेषताएँ (2) कुसमायोजन के कारक (3) समायोजन सीपित करने की प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष विधियाँ (4) कुसमायोजन प्रकार, विशेषताएँ, कारण, उपचार व विधियाँ (पहचान)

- ◆ समायोजन शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है सम + आयोजन। यहाँ सम का अर्थ होता है भली भाँति/अच्छी तरह से तथा आयोजन का अर्थ होता है व्यवस्था करना अर्थात् अच्छी तरह से व्यवस्था कर परिस्थितियों के अनुकूल सामंजस्य स्थापित करने की प्रक्रिया है।
- ◆ शारीरिक व मानसिक संतुलन बनाये रखने की योग्यता समायोजन कहलाती है।

### परिभाषाएँ -

- ◆ **ट्रैक्सल** - वह अवस्था जिसमें व्यक्ति जीवन के सभी पहलुओं से परिपूर्ण प्रसन्न व संतुष्ट रहता है।
- ◆ **एच.सी. स्मिथ** - अच्छा समायोजन यर्थाथवादी व संतोषप्रद दोनों होते हैं।
- ◆ **गेट्स एवं अन्य के अनुसार** - 'समायोजन एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने एवं वातावरण के मध्य सन्तुलन बनाये रखने के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन करता है।' (Adjustment is a continuous process by which a person changes his behavior to maintain a balance between himself and the environment)
- ◆ **बोरिंग लेगफील्ड एवं वेल्ड/एलएस शेफर** - 'समायोजन एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं तथा उनको प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में एक संतुलन बनाये रखता है। (Adjustment is a process by which a person maintains a balance between his needs and the circumstances affecting them)
- ◆ **एडलर के अनुसार** - 'समायोजन श्रेष्ठता प्राप्ति का आधार है।' (Adjustment is the basis of achieving excellence)
- ◆ **कोलमैन** - 'समायोजन तनाव के साथ व्यवहार करने व वातावरण के साथ सुसंगत संबंधों को बनाने का प्रयास है।' (Adjustment is an attempt to deal with stress and to make harmonious relations with the environment)
- ◆ **गेट्स व अन्य** - कुसमायोजन व्यक्ति व वातावरण में असंतुलन का उल्लेख करता है। (Maladjustment refers to the imbalance between the individual and the environment)
- ◆ **स्कीनर** - 'समायोजन एक अधिगम प्रक्रिया है।' (Adjustment is a learning process)
- ◆ **आइनजैक** - 'समायोजन वह अवस्था है जिसमें एक ओर व्यक्ति की आवश्यकता व दूसरी ओर वातावरण के अधिकारों में पूर्ण संतुष्टि होती है।
- ◆ **ब्रिटेनिका विश्वकोष (2016)** के अनुसार - समायोजन मनोविज्ञान में एक व्यवहार प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य व अन्य प्राणी विभिन्न आवश्यकताओं और अपने पर्यावरण में उन आवश्यकताओं के मध्य आने वाले अवरोधों में संतुलन कायम रखता है।
- ◆ **लेहनर/क्यूबे** - समायोजन सार्वभौमिक व निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है।

### समायोजन प्रक्रिया दो रूप -

1. **व्यक्तिक समायोजन (Personal Adjustment)** - मानवीय व्यवहार में मूल्य व अभिवृत्ति में एकीकरण व संतुलन बनाये रखना
2. **अंतरवैयक्तिक संबंध समायोजन (Interpersonal relationship adjustment)** - व्यक्ति का अन्य व्यक्ति के मध्य संबंध है।

### समायोजन की प्रकृति -

1. निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया। (Continual Process)
2. समायोजन शारीरिक व मानसिक संतुलन बनाये रखने की योग्यता है। (Physical and mental balance)
3. समायोजन व्यक्ति के व्यवहार तथा वातावरण दोनों में परिवर्तन करता है। (Change in behavior and environment)
4. समायोजन एक उपलब्धि व प्रक्रिया है। (An achievement and process)
5. समायोजन मानसिक स्वास्थ्य के साथ घनिष्ठ रूप से संबंधित है।
6. मनोवैज्ञानिक व शारीरिक दोनों हैं। (Psychological and physiological)
7. समायोजन अनुरूपता की अवस्था है। (Condition of Harmony)
8. बहुआयामी होता है। (Multi Dimensional)
9. व्यक्ति व वातावरण के मध्य सुसंगत सम्बन्ध (Harmonious Relationship) स्थापित करने की प्रक्रिया है।
10. उचित परिमाण की सामाजिक भावना व सामाजिक जिम्मेदारी की स्वीकृति है।

आक्रामक व्यवहार करने वाले, चोरी करना, झूठ बोलना, विद्यालय से भाग जाना।

3. **संवेगिक लक्षण (Emotional Symptoms)** - निराशावादी, हीनता का अभाव असुरक्षा का भाव, चिन्तित, भय ग्रस्त रहना, मानसिक विचारों से ग्रस्त

#### कुसमायोजन के कारण (Cause of Maladjustment) -

##### 1. व्यक्तिगत कारण-शारीरिक दोष/रोग (Personal Cause)-

- ग्रंथि विकार (Gland disorder)
- निम्न बुद्धि लब्धि (Low IQ)
- वंशानुक्रम कारण (Hereditary reason)
- मनोवैज्ञानिक कारक - कुण्ठा, प्रेरणा का अभाव व तनाव (Psychological factors- frustration, lack of motivation and stress)

##### 2. पारिवारिक कारण (Family Reasons) -

- पारिवारिक निर्धनता (Family poverty)
- आवश्यकताओं की पूर्ति न होना। (Non-fulfillment of needs)
- माता-पिता का व्यवहार (Parenting behavior)
- पक्षपात, उपेक्षापूर्ण व्यवहार (favoritism)
- माता-पिता की मृत्यु हो जाना। (Death of Parents)
- झगड़े अनुचित व्यवहार (Fights inappropriate behavior)

##### 3. सामाजिक कारण (Social causes Structure of society)- समाज की संरचना (जातिवाद, वर्ग भेदभाव, ऊँच-नीच का भेदभाव, साहित्य)

##### 4. विद्यालय संबंधी कारण (School Reasons) -

- दोषपूर्ण वातावरण (bad environment)
- शिक्षकों का पक्षपात पूर्ण व्यवहार (biased behavior of teachers)
- दोषपूर्ण शिक्षण विधि व पाठ्यक्रम (Faulty teaching method and curriculum)
- शिक्षण सहायक सामग्री का अभाव (lack of teaching aids)
- पाठ्य सहगामी क्रियाओं का अभाव (Physical environment)

##### 5. भौतिक वातावरण (Physical environment) -

- बाढ़, भूकम्प, सुनामी आदि। (Flood, earthquake, Tsunami)

#### कुसमायोजन पहचानने की विधियाँ -

1. निरीक्षण
2. साक्षात्कार
3. हैगरी ओल्सन विक्रम की व्यवहार रैंटिंग स्केल
4. रोजर का व्यक्तित्व समायोजन परीक्षण
5. मूनी जाँच सूची
6. टेलर की व्याकुलता स्केल
7. बेल समायोजन सूची

8. मिनी सोटा - बहुपक्षीय व्यक्तित्व अनुसूची
9. गिलफोर्ड जैमर मैन - स्वभाव सर्वेक्षण
10. रोजर्स ने 1931 में विद्यालय बच्चों के लिए समायोजन सूची का निर्माण किया।

#### समायोजन में शिक्षक की भूमिका -

1. निदानात्मक - उपचारात्मक विधि का प्रयोग (कारणों का पता लगाकर समाधान) (Application of diagnostic-remedial method (solving by finding out the reasons))
2. सकारात्मक अभिवृत्ति का विकास करना। (To develop positive attitude)
3. प्रेम, सहयोग व सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार। (love, co-operation and sympathetic treatment)
4. व्यंग्यात्मक टिप्पणी का प्रयोग न करना। (Do not use sarcastic remarks)
5. अच्छा उदाहरण/आदर्श प्रस्तुत करें। (Present a good example/model)
6. सामाजिक, नैतिक मूल्यों व हस्तकौशल की शिक्षा। (Education of social, moral values and handicrafts)
7. निर्देशन व परामर्श का प्रयोग (Use of guidance and Counseling)
8. विद्यालय का उत्तम वातावरण उत्पन्न करना। (Creating a good school environment)

#### माता-पिता का व्यवहार : कुसमायोजित बालकों के साथ -

1. मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना।
2. बालक के सामने झगड़ा नहीं करें।
3. बालक की दूसरे बच्चों से तुलना ना करें।
4. बालक के भविष्य के प्रति ज्यादा उत्सुक ना हो।

#### समायोजन विशेष -

- ◆ संवेग अभिविन्यास युक्ति दबाव के लिए - एडलर/पार्कर
- ◆ दबाव संचार प्रशिक्षण विधि - मीचेनबाग
- ◆ दबाव प्रतिरोधी व्यक्तित्व - प्रतिबद्धता, नियंत्रण व चुनौती युक्त
- ◆ आग्रहिता व्यक्तित्व (Urgency personality) - किसी के निवेदन को स्वीकार ना करना, बिना आत्मचेतना के विचार व्यक्त करना, खुलकर संवेग व्यक्त करना।
- ◆ हिप्पोक्रेटीज को Father of Medicien कहा जाता है।
- ◆ फ्रायड के अनुसार 3 केन्द्रीय शक्ति व्यक्तित्व निर्माण में कार्य करती है - (i) अंतर्नोद व आवेग (ii) तार्किक चिंतन व नैतिक मानक (iii) मूल प्रवृत्ति आवश्यकता
- ◆ असामान्य मनोविज्ञान के आधुनिक युग के जनक - फ्रायड



- ◆ प्रतिपादक - सी. डब्ल्यू बीयर्स ( 1908 ई. )
- ◆ प्रेरणा - एडोल्फ मेयर ( मानसिक स्वास्थ्य आन्दोलन)
- ◆ पुस्तक - 'ए माइन्ड दैट फाउण्ड इट शेल्फ' A mind that Found it Self - C.W. बीयर्स
- ◆ मानसिक स्वास्थ्य आन्दोलन अमेरिका में डोराथिया डिक्स ने चलाया था।
- ◆ विलियम स्वीटजर ने 19 वीं शताब्दी में सर्वप्रथम परिभाषित किया।
- ◆ अमेरिका में मानसिक आरोग्य संघ की स्थापना 1908 में हुई।
- ◆ विश्व मानसिक स्वास्थ्य संघटन की स्थापना 1948 में की गई।
- ◆ विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस- ( 10 अक्टूबर)
- ◆ सामान्य अर्थ - मानसिक स्वास्थ्य मानवीय व्यक्तित्व की क्रियाशीलता की स्थिति है।

## परिभाषाएँ -

- ◆ केटेल व मैस्लो - ऐसी योग्यता जो जीवन की कठिन स्थितियों के प्रति समायोजन स्थापित करने में सहायता देती।
- ◆ शेफर - मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान का उद्देश्य है प्रत्येक व्यक्ति का सम्पूर्ण, अधिक प्रसन्न, एकसार व अस्तित्व प्राप्त करने में सहायता करना। (The purpose of Schaefer Mental Health Science is to help each person achieve fuller, happier, more integrated existence)
- ◆ जेम्स ड्रेवर - 'मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ मानसिक स्वास्थ्य के नियमों की खोज करना व संरक्षण करना।' (James Dreve - 'The meaning of mental health is to discover and protect the laws of mental health)
- ◆ क्रो एण्ड क्रो - 'मानसिक स्वास्थ्य का संबंध मानव कल्याण से है तथा यह मानवीय संबंधों को प्रभावी करता है।' (Crow and Crow- Mental health is related to human well-being and it affects human relations)
- ◆ हेडफील्ड - 'मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तित्व का सामन्जस्य पूर्ण व संतुलित क्रिया अवस्था को व्यक्त करता है।' यह मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा व मानसिक अव्यवस्थापन को दूर करता है। (Hadfield- The harmony of mental health personality expresses a complete and balanced functioning state. it protects mental health and removes mental disorders)
- ◆ कुप्पुस्वामी - 'दैनिक जीवन में इच्छाओं, भावनाओं आदर्शों तथा महत्त्वकांक्षाओं में संतुलन स्थापित करने की योग्यता।'

(Kuppuswami- Ability to balance desires, feelings, and ambitions in daily life)

- ◆ लैडेल - 'वास्तविकता के धरातल पर वातावरण से पर्याप्त सामंजस्य स्थापित करने की योग्यता।' (Ladell- The ability to establish adequate harmony with the environment on the surface of reality)
- ◆ स्कीनर - 'मानसिक स्वास्थ्य का संबंध समग्र मानव संबंधों के विकास से है।' (Mental health is concerned with the development of overall human relationships)
- ◆ फ्रेडसन - 'मानसिक स्वास्थ्य व अधिगम का सफलता से घनिष्ठ संबंध है।' (Fredson - Mental health and learning are closely related to success)
- ◆ कॉलसेनिक - 'मानसिक स्वास्थ्य नियमों का समूह है जो व्यक्ति को स्वयं के साथ तथा दूसरों के रहने के योग्य बनाता है।' (Colic is a set of mental health rules that enable a person to live with himself and others)
- ◆ विश्व स्वास्थ्य संगठन - 'मानसिक स्वास्थ्य मानसिक रोगों या विकारों की अनुपस्थिति को नहीं अपितु शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक कुशलता को व्यक्त करता है।' (World Health Organization - Mental health does not express the absence of mental illness or disorder but physical, mental and social well-being)
- ◆ कुप्पुस्वामी - मानसिक स्वास्थ्य समायोजन की वह प्रक्रिया है जिसमें समझौता व सामंजस्य विकास की निरन्तरता का समावेश रहता है। (Kuppuswamy - Mental health is a process of adjustment which includes the continuation of compromise and harmony development)
- ◆ लियुकन - जो प्रसन्न, शांतिपूर्वक रहता है वह समाज हित में काम करता है, वहीं मानसिक स्वास्थ्य है। (Liukan - The one who lives happily, peacefully, works in the interest of the society, there is mental health)
- ◆ कार्ल मेनिंगर - मानसिक स्वास्थ्य अधिकतम खुशी व प्रभावशीलता के साथ वातावरण व दूसरे व्यक्तियों के साथ समायोजन है। (Karl Menninger - Mental health is adjustment of the environment and to other persons with maximum happiness and effectiveness)

## मानसिक स्वास्थ्य अवधारणा की विशेषताएँ -

एकोलैलिया (Echolalia), इकोपाराक्सिया (Echoparaxia), कॉपरोलैलिया (Coprolalia) होते हैं। कभी-कभी इसमें विश्रम तथा आत्मविस्मृति (Fugue) के भी लक्षण मिश्रित होते हैं। **इकोलैलिया** में व्यक्ति दूसरों द्वारा बोले गये शब्दों की उद्देश्यहीन पुनरावृत्ति करने के लिए बाध्य होता है। इकोपाराक्सिया में व्यक्ति दूसरों के हाव-भाव (Gestures) को अनावश्यक एवं उद्देश्यहीन होकर दोहराते रहता है।

- ◆ **सिंजरजिक औषध (Synergic Drug)** से तात्पर्य ऐसे कोई दो औषध (Drug) से होता है जिसका संयुक्त प्रभाव (Conjoint Effect) उनके अलग-अलग पड़ने वाले प्रभाव से अधिक प्रभावशील होते हैं।
- ◆ किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा तुरंत बोले गए शब्दों या वाक्यांशों को बाध्य रूप से (Compulsively) तथा अर्थहीन पुनरावृत्ति (Senseless Repetition) करने की प्रवृत्ति को **इकोलैलिया (Echolalia)** कहा जाता है। आत्मविमोही बच्चों (Outistic Children) में इसकी प्रवृत्ति अधिक होती है। इसे इकोफेरिसिया (Echophrasia) भी कहा जाता है।
- ◆ शीशा (Mirror) टूटने के अतार्किक भय (Irrational Fear) को कैटोट्रोफोबिया (Catatophobia) कहा जाता है।
- ◆ अल्कोहल या मादक पेय के प्रति अनियंत्रण अभिलाषा इच्छा (Uncontrollable Craving) को डिपसोमैनिया (Dipsomania) कहा जाता है।
- ◆ सुने गए शब्दों (Words) एवं वाक्यांशों (Phrases) को लिखने की बाध्यता (Compulsion) को इकोग्राफिया (Echographia) कहा जाता है।
- ◆ दूसरे लोगों द्वारा बनाये गए भाव भंगिमा (Gesture) को दोहराने की रोगात्मक प्रवृत्ति को इकोप्रैक्सिया (Echopraxia) कहा जाता है। यह कैटेटोनिक मनोविदालिता (Catatonic Schizophrenia) में तथा
- ◆ एक ऐसी अवस्था जिसमें व्यक्ति किसी चीज पर ध्यान केन्द्रित करने में असमर्थ रहता है तथा उसके चिंतन अस्पष्ट होते हैं, को डिस्बुलिया (Disbulia) कहा जाता है।
- ◆ जब व्यक्ति यह बतलाने में असमर्थ रहता है कि उसके शरीर का कौन-सा भाग को स्पर्श किया जा रहा है तो इस अवस्था को डायसकिरिया (Dyschiria) कहा जाता है।
- ◆ **ओथेलो संलक्षण (Othello Syndrome)** से तात्पर्य एक गंभीर एवं धिनावना (Morbid) घृणा जिसमें यह व्यामोह (Delusion) भी सम्मिलित होता है कि उसका पति या पत्नी उसके प्रति अविश्वासी (Unfaithful) है।
- ◆ **मोरेनो (Moreno)** द्वारा प्रतिपादित मनोनाटक (Psychodrama) को स्वेच्छा चिकित्सा (Spontaneity Therapy) भी पहले कहा

जाता था।

- ◆ **रिक्त कुर्सी प्रविधि (Empty Chair Technique)** - एक ऐसा प्रविधि जिसका उपयोग गेस्टाल्ट चिकित्सा (Gestalt Therapy) में होता है तथा जिसके सहारे रोगी या क्लायंट उस व्यक्ति के बारे में एक छवि (Image) को प्रक्षेपित (Project) करता है जिसके बारे में उसके मन में असमाधेय भाव (Unresolved Feelings) होते हैं।
- ◆ **टाऊरेट्टी संलक्षण (Tourette's Syndrome)** - एक ऐसा तंत्रकीय पेशी-संकुचन विकृति (Neurological Ticdisorder) है जिसके साधारण स्तर में रोगी में अनैच्छिक पेशी-संकुचन एवं गति (Movement) होती है परंतु अधिक गंभीर अवस्था के होने पर वृहत अनैच्छिक शारीरिक गतियाँ, कुत्तों के समान भौंकने की क्रिया तथा जोर-जोर से गंदी-गंदी बातों को कहने की क्रियाएँ आदि होते देखी गयी है। ट्रीचर कालिन्स संलक्षण (Treachers Collins Syndrome) सचमुच में एक ऐसी जननिक विकृति (Genetic Disorder) होती है जिसमें आनन असामान्यता (Facial Abnormalities) जो मूलतः जबड़ा, टुडी (Chin), नाक, कान आदि से संबंधित होते हैं, पाये जाते हैं। कुछ ऐसे संलक्षण वाले व्यक्तियों की बुद्धि सामान्य होती है हालांकि कभी-कभी इन्हें दृष्टि एवं श्रवण दोष के कारण मानसिक मंदता (Unresolved Feelings) की भी श्रेणी में रख दिया जाता है।
- ◆ महिलाओं से घृणा को मिसोगिनी (Misogyny) कहा जाता है।
- ◆ **मोरो प्रतिवर्त (Moro Reflex)** एक ऐसा प्रतिवर्त (Reflex) है जो बहुत ही छोटे शिशुओं में देखने को मिलता है जिसमें शिशु अपना दोनों हाथ फैलाकर गोद लेने का संकेत देता है।
- ◆ **सिडेनहाम कोरिया (Sydenham's Chorea)** - एक वाल्यावस्था का ऐसा रोग है जो सामान्यतः 5 से 15 साल की आयु में होती है तथा इसमें मूलतः गठिया-ग्रस्त बुखार (Rheumatic Fever) होता है। इसमें धड़ (Trunk) तथा अवयव (Limbs) के मांसपेशियों में आकर्षी अनैच्छिक गति (Spastic Involuntary Movement) होती है तथा यदा-कदा स्मृति तथा संभाषण (Speech) जैसे संज्ञानात्मक कार्यों में दोष आदि भी पाये जाते हैं।
- ◆ **पारकिन्सन रोग (Parkinson Disease or PD)** जैसा पहले संक्षेप में बतलाया गया है, एक ऐसा तंत्रकीय रोग (Neurological Disease) है जिसका नामकरण अंग्रेजी मेडिकल डाक्टर जेम्स पारकिन्स (James Parkison) पर हुआ जिन्होंने सबसे पहले इसका वर्णन किया। यह रोग वेसल गैंगलिया (Basal Ganglia) में डोपामाइन में कमी (Dopamine Deficiency) से उत्पन्न होता है। इसके प्रमुख लक्षण हैं-तीव्र कम्पन, विचित्र आनन अभिव्यक्ति (Unique Facial Expression, संवेदी-पेशीय

# 6

## संवेगात्मक बुद्धि ( Emotional Intelligence)

(1) अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ (2) संवेगात्मक बुद्धि तत्व उपयोगिता विशेषता

### संवेगात्मक बुद्धि (Emotional Intelligence)

- ◆ यद्यपि संवेगात्मक बुद्धि शब्द का प्रयोग बेल्लोच (Beldoch) के द्वारा 1964 में तथा ल्यूनर (Leuner) के द्वारा 1966 में करने के सन्दर्भ मिलते हैं। संभवतः संवेगात्मक बुद्धि शब्द का प्रयोग वर्तमान संदर्भ में सबसे पहले सन् 1985 में वाइने पेइनी (Wayne Payne) के द्वारा अपने शोध (A Study of emotin : Developing Emotional Inteligence) प्रबन्ध में किया गया था।
- ◆ **संवेगात्मक बुद्धि की सर्वप्रथम धारणा** - जॉन मेयर, पिटर सेलोवी 1990 ई. में अमेरिका पुस्तक - वाट इज ईआई (What is EI?)
- ◆ संवेगात्मक बुद्धि के प्रतिपादक - डैनियल गोलमैन (अमेरिका 1995) (येल विश्वविद्यालय) पुस्तक - (i) संवेगात्मक बुद्धि बुद्धिलब्धि से अधिक महत्वपूर्ण क्यों? (EQ : Why it batter more than I.Q.) (ii) Working with Emotional Intelligence सफलता में योगदान - 80% E.Q., 20% I.Q.
- ◆ **सामान्य अर्थ** - व्यक्ति विशेष की उस समग्र क्षमता जो उसे विचार प्रक्रिया का उपयोग करते हुये उसे अपने तथा दूसरे के संवेगों को जानने समझने व सर्वोत्तम प्रबन्धन करने में सहायता करती है। यह सामान्य बुद्धि (IQ) से स्वतंत्र है।
- ◆ **सेलोवे व मेयर ( 1997 )** में कहा "चिंतन को सुगम बनाने हेतु संवेगों के प्रत्यक्षण, अवबोध, प्रबंधन व प्रयोग की योग्यता EQ है।
- ◆ संवेगात्मक बुद्धि में सामान्य रूप से व्यक्ति की निम्न योग्यता होती है - (i) स्वयं को प्रेरित करना (ii) संवेगों की उचित अभिव्यक्ति (iii) संवेगों को नियमित करना (iv) जोखिम मूल्यांकन योग्यता (v) द्वन्द्व समाधान की योग्यता
- ◆ यह वह बुद्धि है जिसका विकास कभी समाप्त नहीं होता अपितु समय के अनुसार बढ़ता जाता है। यह विभेदन करने की योग्यता है।
- ◆ संवेगात्मक बुद्धि का विकास **थार्नडाइक** के 1920 ई. में दिये गये सामाजिक बुद्धि के सिद्धांत से होता है।
- ◆ **हावर्ड गार्डनर** 1983 में बहुबुद्धि का सिद्धांत दिया जिसमें उन्होंने बुद्धि के 9 प्रकार बताये जिनमें -  
(i) व्यक्तिगत आत्मन/अन्तः व्यक्तित्व (Intrapersonal)  
(ii) वैयक्तिक अन्य/अन्तर वैयक्तिक (Inter-Personal) है बुद्धि

का संबंध संवेगात्मक बुद्धि से होता है।

### परिभाषा -

- ◆ **फ्रीमैन** - हम कैसे सोचते हैं, महसूस करते हैं को पहचानने में समझने का ढंग संवेगात्मक है। (Freeman Identifies how we think and feel as the way of understanding is emotional)
- ◆ **डेनियल गोलमैन** - 'संवेगों को जानने, देखभाल करने व संबंध स्थापित करने की शक्ति संवेगात्मक बुद्धि कहलाती है।' (Daniel Goleman - 'Emotional intelligence is the ability to know care for and relate to emotions)
- ◆ **राबर्ट कुपर** - EQ संवेगों की शक्ति प्रवीणता को जानने, समझने व लागू करने की योग्यता है। (Robert Cooper- The power of EQ personnel is the ability to know understand and apply proficiency)
- ◆ **जॉन मेयर व पिटर सेलोवी** - 'संवेगात्मक बुद्धि वह योग्यता है जिसके द्वारा हम अपनी व दूसरे की भावनाओं का संचालन करते हैं, अन्तर करते हैं तथा उनसे निर्देशन प्राप्त करते हैं।' (John Mayer and Peter Salovey - Emotional intelligence is that ability Through which we manage our own and other's feelings, make difference and get direction from them)
- ◆ **मोरिस इलियस** - संवेगात्मक बुद्धि मानवों को पूर्ण करने के विचार से केन्द्रित करने में सहायता करती है। (Maurice Illius - Emotional intelligence helps humans focus on the idea of fulfillment)

### संवेगात्मक बुद्धि की प्रकृति -

- ◆ यह सामाजिक बुद्धि का प्रकार है।  
(This is a type of social intelligence)
- ◆ अर्जित होती है, अनुभव के साथ बढ़ती है।  
(It is acquired, it grows with experience)
- ◆ अन्य व्यक्तियों में विभेदन कर पाने की योग्यता।  
(Ability to discriminate between other individuals)
- ◆ स्वयं के चिंतन व क्रियाओं को निर्देशित करती है।  
(It directs one's own thoughts and actions)
- ◆ IQ से स्वतंत्र होती है।  
(Is independent of IQ)

### संवेगात्मक बुद्धि के प्रतिमान (Models of EQ) -

- ◆ अभिवृत्ति पर वातावरण का सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है।  
(has the greatest influence on attitude)
- ◆ अभिवृत्ति मन की एक अवस्था है।  
(Attitude is a state of mind)
- ◆ अभिवृत्ति विचारों का एक पुंज है।  
(Attitude is a set of thoughts)
- ◆ अभिवृत्ति में विश्वास व मूल्य का पक्ष निहित रहता है।  
(Aspect of belief and value lies in attitude)
- ◆ अभिवृत्ति किसी वस्तु परिस्थिति, व्यक्ति के प्रति प्रदर्शित होती है।  
(Attitude is displayed towards an object, situation, person)
- ◆ अभिवृत्तियों में अभिप्रेरणात्मक-प्रभावात्पादक विशेषता पाई जाती है।  
(Motivational-effectual characteristics are found in attitudes)
- ◆ **अभिवृत्ति के 4 पक्ष हैं -**
  1. **कर्षण शक्ति (Valence)** - सकारात्मकता या नकारात्मकता।
  2. **चरम सीमा (Extremeness)** - किसी सीमा तक सकारात्मक व नकारात्मक होना।
  3. **सरलता (Simplicity)/जटिलता (Complexity)** - अभिवृत्ति तंत्र में कम अभिवृत्तियाँ हो, जो सरल ज्यादा हो जो जटिल कम।
  4. **केन्द्रिकता (Centrality)** - यह अभिवृत्ति तंत्र में किसी विशिष्ट अभिवृत्ति की भूमिका को बताता है।
- ◆ **अभिवृत्ति के 3 घटक -**
  - (i) **संज्ञानात्मक घटक (Cognitive Component)** : इसके अन्तर्गत व्यक्ति का दृष्टिकोण वस्तु के प्रति वस्तुनिष्ठ ज्ञान तथा स्वयं के विश्वास शामिल होता है।
  - (ii) **भावात्मक घटक (Affective Component)** : किसी वस्तु के प्रति सुखद व दुःखद भाव उत्पन्न होना।
  - (iii) **क्रियात्मक/व्यवहारात्मक घटक (Behavioural Component)** : किसी वस्तु के प्रति प्रतिकूल या अनुकूल व्यवहार करने की तत्परता।

#### अभिवृत्ति व रुचि का सम्बन्ध -

- ◆ दोनों अर्जित होती हैं एक दूसरे को प्रभावित करती हैं।
- ◆ अभिवृत्ति व्यापक होती है सकारात्मक व नकारात्मक
- ◆ रुचि सदैव सकारात्मक होती है।

#### अभिवृत्ति व अभिरूचि का संबंध -

- ◆ अभिवृत्ति किसी वस्तु या व्यक्ति के प्रति दृष्टिकोण को व्यक्त करती है जबकि अभिरूचि योग्यता व क्षमता को व्यक्त करती है।
- ◆ **आलपोर्ट के अनुसार अभिवृत्ति निर्माण के चरण -**
  1. अनुभवों का संगठित होना। (Organization of experiences)

2. अनुभवों का विभेदीकरण। (Differentiation of experiences)
3. तात्कालिक अनुभव। (Immediate of experiences)
4. पूर्व निर्मित अभिवृत्तियों को अर्जित करना।  
(Acquisition of pre-formed attitudes)

#### अभिवृत्ति को प्रभावित करने वाले कारक -

1. शारीरिक, सामाजिक, बौद्धिक, संवेगात्मक, सामाजिक व नैतिक विकास
2. घर-परिवार, समाज, विद्यालय का वातावरण।

#### अभिवृत्ति निर्माण की प्रक्रिया -

1. सकारात्मक साहचर्य के द्वारा निर्माण किया जा सकता है।  
(Can be built through positive associations)
2. प्रशंसा व दण्ड के प्रयोग द्वारा।  
(By the use of praise and punishment)
3. प्रतिरूपण के द्वारा (दूसरों के निरीक्षण द्वारा)  
(By Impersonation (by observation of other))
4. समूह व सांस्कृतिक मूल्यों द्वारा।  
(By Group and Cultural values)
5. सूचनाओं के द्वारा। (By Notifications)

#### अभिवृत्ति का मापन -

- ◆ 1927 में सर्वप्रथम थर्स्टन 1927 में युग्म तुलनात्मक निर्णय विधि का निर्माण
- ◆ 1929 थर्स्टन व चेव - समदृष्टि अन्तर विधि का विकास/अनुक्रमिक अन्तराल विधि।
- ◆ 1932 लिंकर्ट योग निर्धारण विधि।
- ◆ 1937 सफ़ीर क्रमबद्ध अन्तर विधि।
- ◆ 1945 गटमैन - स्केलोग्राम विधि।
- ◆ 1948 एडवर्ड्स व किलपेट्रिक - भेदबोधक मापनी विधि।
- ◆ 1957 ओसगुड ने सिमेन्टिक डिफेरेणियल विधि, रेमर्स मास्टर प्रकार मापनी का निर्माण किया।
- ◆ **बोगार्ड्स - 1953**, सामाजिक अन्तर्मापनी (सामाजिक दूरी मापनी) का निर्माण किया।

#### अभिवृत्ति विशेष -

- ◆ पूर्वाग्रह (Prejudice) अभिवृत्ति का एक रूप है। ये नकारात्मक होता है।
- ◆ अभिवृत्ति सापेक्षिक रूप स्थायी विश्वासों, भावों व व्यवहार प्रवृत्ति का संगठन है।
- ◆ अभिवृत्ति की 3 विमाएँ - (i) संज्ञान (ii) भाव (iii) व्यवहार प्रवृत्ति, इन्हें A, B, C घटक कहा जाता है।
- ◆ अभिवृत्ति का निर्माण - साहचर्य, पुरस्कार, दण्ड व प्रतिरूपण द्वारा होता है।

### सम्प्रेषण/संचार कौशल (Communication Skills)

- ◆ सम्प्रेषण शब्द अंग्रेजी के कम्यूनीकेशन से बना है इसकी उत्पत्ति लैटिन भाषा के कम्यूनीस/कम्यूनिकैयर से हुई है जिसका अर्थ कॉमन या सामान्य विचारों का आदान-प्रदान करना ही सम्प्रेषण है।
- ◆ शाब्दिक अर्थ To make Common, To Share, To Import, To Transmit

#### सम्प्रेषण/संचार (कम्यूनिकेशन) -

- ◆ **सामान्य अर्थ** - सम्प्रेषण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने ज्ञान, भाव-भाव व विचारों का परस्पर आदान-प्रदान करते हैं और इसे प्राप्त विचारों को समझने व प्रेषण करने में उपयोग करते हैं।
- ◆ कम्यूनिकेशन शब्द की उत्पत्ति 'लैटिन भाषा के कम्यूनिस' से हुई है।
- ◆ **अर्थ** - सामान्य/कॉमन
- ◆ **सामान्य अर्थ** - विचारों का आदान-प्रदान ही सम्प्रेषण है।
- ◆ **एण्डरसन** - 'सम्प्रेषण एक गत्यात्मक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक व्यक्ति चेतन या अचेतन रूप से दूसरे के संज्ञानात्मक ढांचे को किसी माध्यम से प्रभावित करता है।' (Anderson - Communication is a dynamic process by which one person consciously or unconsciously influences the cognitive structure of another through some means)
- ◆ **लिगन्स** - 'सम्प्रेषण एक प्रक्रिया है जिसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति विचारों का आदान प्रदान इस प्रकार करते हैं कि उनसे प्राप्त संकेतों को सभी समझ पाते हैं।' (Ligans - Communication is process in which two or more persons exchange ideas in such a way that the signals received from them are understood by all)
- ◆ **एडगर गैल (डेल)** - 'सम्प्रेषण दूसरों की भावनाओं/विचारों को जानने व समझने की प्रक्रिया है।' (Edgar Gall - Communication is the process of knowing and understanding the feeling/thoughts of others)
- ◆ **कीथ डेविस** - सम्प्रेषण वह प्रक्रिया है जिसमें सन्देश व समझ को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचाया जाता है। (Keith Davis Communication is the process in which messages and understanding are conveyed from one

person to another)

- ◆ **जिस्ट** - ऐसा कोई भी व्यवहार जिससे किसी अर्थ का आदान प्रदान हो सम्प्रेषण है। (Gist - Any behavior that results in the exchange of meaning is communication)
- ◆ **लूयिस ऐलन** - "संप्रेषण से अभिप्राय उन सभी क्रियाओं से है जो एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को अपनी बात समझाने के लिए करता है। इसमें एक व्यवस्थित तथा निरंतर चलने वाली कहने, सुनने तथा समझने की प्रक्रिया सम्मिलित है।" (Lewis Allen - Communication refers to all those activities that one person does to make another person understand his point. it includes a systematic and continuous process of saying, listening and understanding)
- ◆ **हैरोल्ड कूटस् एवं हैनिज वैहरिक** - "संप्रेषण सूचनाओं का प्रेषक के द्वारा प्राप्तकर्ता को स्थानांतरण है ताकि वह उन सूचनाओं को उसी रूप में समझ सके।" (Harold Koots and Hainz Vahrick - "Communication is the transfer of information from the sender to the receiver in such a way that the receiver can understand it in the same way as the sender intended it.")
- ◆ **रोजर्स** - "संप्रेषण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति आपस में सूचनाओं को आदान-प्रदान करते हैं ताकि वे (एक जैसी समझ बना सकें) पारस्परिक समझ बना सकें।" (Carl Rogers - "Communication is a process by which individuals exchange information in such a way that they can understand each other's point of view.")

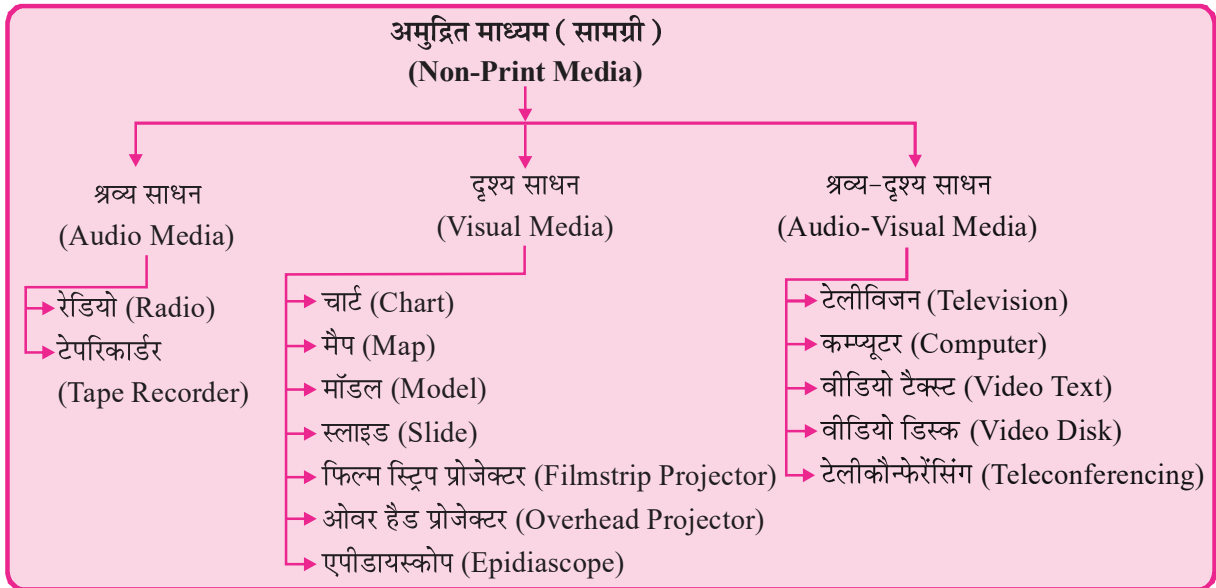
#### सम्प्रेषण की विशेषताएँ -

1. परस्पर संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया (Interconnecting Process)
2. विचारों के आदान प्रदान की प्रक्रिया (Process of Exchange of Ideas)
3. गत्यात्मक प्रक्रिया (निरन्तर) इसमें उद्दीपक परिवर्तित होता रहता है। (Dynamic process (continuous) in which the stimulus would change is)
4. सम्प्रेषण के दो पक्ष होते हैं - (द्विमागीय प्रक्रिया) (There are two sides of communication) - (Two way process)
  - (क) भेजने वाला (The sender)
  - (ख) प्राप्त करने वाला (Receiver)
5. सम्प्रेषण एक सामाजिक व मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। (Communication is a social and psychological process)
6. एक उद्देश्य युक्त और अभिप्रेरणा युक्त प्रक्रिया है।



- (viii) यह स्व-अध्ययन के लिये भी बड़ी उपयोगी है।
- (ix) औपचारिक तथा अनौपचारिक एवं दूरस्थ शिक्षा में इसकी भूमिका अति महत्वपूर्ण है।
- (x) मुद्रित सामग्री द्वारा अधिकतर सही आँकड़े, सटीक वर्णन तथा उपयुक्त चित्र आदि का दर्शन सम्भव है।
- (xi) यह शिक्षा का एक मितव्ययी साधन है।
- ◆ **मुद्रित सामग्री की सीमायें (Limitation of Print Media)-**
- (i) मुद्रित सामग्री व्यक्तिगत आवश्यकताओं तथा कठिनाइयों को दूर करने में समर्थ नहीं है।
- (ii) सामान्यतः यह सामग्री एक निश्चित स्तर के छात्रों के लिये तैयार की गयी होती है। अतः ये सभी स्तर के छात्रों के लिये उपयोगी नहीं होती है।
- (iii) इसके माध्यम से कौशल एवं दक्षताओं का विकास सम्भव नहीं है।
- (iv) इस विधा में अधिकतर प्रतिपुष्टि (Feedback) मिलने की व्यवस्था नहीं है (अभिक्रमित अध्ययन सामग्री को छोड़कर)
- (v) मुद्रित सामग्री का सही और उपयुक्त उपयोग कर सकना हर स्तर के शिक्षक के वश की बात नहीं इसके प्रभावशाली प्रयोग के लिए विशिष्ट कौशल की जरूरत पड़ती है।
- (vi) मुद्रित सामग्री को समझने के लिये विशिष्ट मानसिक परिपक्वता की आवश्यकता होती है।

- ◆ वीडियो टैक्स्ट - इस में एक रिकॉर्डर, टेलीफोन, टी. वी., तथा कि-बोर्ड का प्रयोग होता है।
- ◆ टेलीकॉन्फ्रेंसिंग - उपग्रह आधारित वह तकनीक जिसमें दूर-दूर बैठे दो व्यक्ति आपस में सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हैं।
- ◆ **टेलिकॉन्फ्रेंसिंग तीन प्रकार की होती है -**
- (i) ऑडियो टेलीकॉन्फ्रेंसिंग
- (ii) वीडियो टेलीकॉन्फ्रेंसिंग
- (iii) कम्प्यूटर टेलीकॉन्फ्रेंसिंग
- नोट-** सम्प्रेषण के ई-माध्यम में Youtube, Facebook, Instagram, Telegram, Blog, Twitter & Whatsapp
- ◆ **अमुद्रित माध्यम से लाभ (Merits of non-print media) -**
- अमुद्रित माध्यमों के विवेचन से इनकी निम्नांकित विशेषतायें/लाभ दृष्टिगत होते हैं -
- (i) अमुद्रित माध्यम विविध अधिगम उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होते हैं।
- (ii) इनका विशिष्ट अधिगम क्रियाओं में सार्थक तथा प्रभावशाली योगदान होता है।
- (iii) अमुद्रित माध्यम, व्यक्तिगत उद्देश्यों, आवश्यकताओं तथा योग्यताओं को ध्यान में रखकर शिक्षण शक्तिपरक बनाने में सहायता देते हैं।
- (iv) अध्ययन सामग्री को प्रस्तुत करने में लचीलापन (Flexibility)



## 2. अमुद्रित माध्यम (Non-Print Medium) -

- (i) **श्रव्य ( ऑडियो )** - रेडियो, टेप रिकार्डर
- (ii) **दृश्य** - स्लाइड प्रोजेक्टर, फिल्म स्ट्रीप प्रोजेक्टर, ए.पी डायस्कोप, ओवर हैड प्रोजेक्टर, श्यामपट्ट
- (iii) **श्रव्य-दृश्य सहायक सामग्री** - दूरदर्शन, कम्प्यूटर, वीसीडी- (वीडियो डिस्क, डिस्कप्लेयर तथा टी.वी सेट से युक्त होता है)

लाते हैं।

- (v) छात्रों की आन्तरिक प्रेरणा तथा जिज्ञासा में वृद्धि होती है जिससे छात्र ज्यादा सीखते हैं।
- (vi) ये छात्रों की रूचि, कल्पना शक्ति तथा ध्यान केन्द्रित करने की क्षमता में वृद्धि करती है।
- (vii) छात्र इनके प्रयोग से अधिक सक्रिय तथा अच्छी सहभागिता वाले

- ◆ शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये बनाये जाने वाले प्रतिमान शिक्षण प्रतिमान कहलाते हैं।
- ◆ **एचसी विल्ड** - 'शिक्षण प्रतिमान आदर्शों के अनुसार व्यवहार को ढालने की प्रक्रिया है।' (HC Wild - Teaching is the process of molding behavior according to model ideals)
- ◆ **हायमन** - 'शिक्षण प्रतिमान शिक्षण के बारे में सोचने व विचारने की एक रीति है जो वस्तु को नियंत्रित तथा व्यवस्थित करके तार्किक रूप में प्रस्तुत करती है।' (चिंतन की विधि है।) (Hyman - 'Teaching model is a way of thinking and thinking about teaching, which by controlling and organizing the object (Kirp) presents in logical form.' (Method of thinking))
- ◆ **जायसी एवं वील** - 'शिक्षण प्रतिमान वे अनुदेशन प्रारूप हैं जो विशिष्ट उद्देश्यों की पूर्ति के लिये विशिष्ट परिस्थितियों का उल्लेख करते हैं।' (Joyce and weil - Teaching models are those instructional designs that specify specific situations to accomplish specific objectives)
- ◆ **पॉल डी ईगन** - विशिष्ट अनुदेशनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निर्मित उपचारात्मक शिक्षण व्यवस्था ही शिक्षण प्रतिमान है।
- ◆ **जोयस** - शिक्षण प्रतिमान निर्देशन की विश्लेषित रूप रेखा होते हैं जो छात्रों को चाहे गये व्यवहार के लिए बाध्य करते हैं।
- ◆ **जायसी** - ये निर्देशन की विश्लेषित रूपरेखा होते हैं जो छात्रों को वांछित व्यवहार के लिए बाध्य करते हैं।

### शिक्षण प्रतिमानों की विशेषताएँ -

1. प्रभावी शैक्षिक वातावरण का निर्माण करने के लिये शिक्षण युक्तियों के प्रयोग पर बल देते हैं।
2. ये अनुदेशन तथा शिक्षक छात्र अन्तःक्रिया को प्रेरित करते हैं।
3. शिक्षक के लिये गाइड का कार्य करते हैं।
4. छात्रों के व्यवहार में वांछित परिवर्तन लाने में सहायता प्रदान करते हैं।
5. शिक्षण को कला का रूप प्रदान करते हैं।
6. मूल्यांकन को प्रभावी बनाते हैं।
7. शिक्षक की गुणात्मक उन्नति में सहायक हैं।
8. इनका मनोवैज्ञानिक व दार्शनिक आधार होता है।
9. शिक्षण प्रतिमान छात्रों की रुचि का विनियोग करते हैं।
10. अधिगम अनुभवों की व्यवस्था करते हैं।
11. व्यवहारिक प्रकृति के होते हैं जिसके द्वारा अधिगम उपलब्धि होती है।
12. शिक्षण प्रतिमान के तीन प्रमुख कार्य होते हैं-
  - (i) अनुदेशनात्मक उद्देश्यों का निर्माण एवं विशिष्टीकरण (Designing and specifying instructional objectives)
  - (ii) अनुदेशनात्मक सामग्री का निर्माण एवं चयन (Developing and selecting instructional material)
  - (iii) (Specifying teaching learning activities)
- ◆ शिक्षण प्रतिमान के कार्य में निर्देशन देना, अनुदेशनात्मक सामग्री का विस्तृत विवरण, पाठ्यक्रम को विकसित करना व शिक्षण में सुधार करना है।

### शिक्षण प्रतिमान के तत्त्व -

1. **लक्ष्य व उद्देश्य ( किरण केन्द्र ) (Focus)** - प्रत्येक शिक्षण प्रतिमान का केन्द्रीय बिन्दु होता है लक्ष्य या उद्देश्य।
2. **संरचना ( वाक्य रचना ) (Syntax)** - इसके अन्तर्गत शिक्षण विधियों व युक्तियों को उस प्रकार से क्रमबद्ध किया जाता है जिससे बालक के व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सके। यह विषय वस्तु के प्रस्तुतीकरण से संबंधित है। यह प्रतिमान के कार्यों के विवरण से संबंधित है।
3. **प्रतिक्रिया नियम (Principles of Reactions)** - प्रतिक्रिया नियम यह अध्यापक को उन विशिष्ट नियमों से परिचित करवाता है जिससे छात्रों की प्रतिक्रियाओं को समझने और वांछित अनुक्रिया करने में मदद मिलती है।
4. **सामाजिक प्रणाली (Social System)** - शिक्षक व छात्र के मध्य हाने वाली अन्तः क्रिया जिसके द्वारा वह कक्षा - कक्ष पर नियंत्रण स्थापित करता है व व्यवहार में परिवर्तन करता है। इस में पुनर्बलन की प्रक्रिया शामिल होती है।
5. **अवलंब प्रणाली (The Support System)** - इसके अन्तर्गत सामान्य योग्यता, शिक्षण विधि, कक्षा संसाधन, के अतिरिक्त विशेष शिक्षण सामग्री जैसे- स्लाइड, फिल्म, स्व-अनुदेशन सामग्री, मॉडल, ग्राफिक्स इत्यादि का प्रयोग करके शिक्षण को सफल बनाया जाता है।
6. **मूल्यांकन प्रणाली/प्रतिमान का उपयोग ( आधार व्यवस्था ) (Evaluation System)** - इसके अन्तर्गत शिक्षा के उद्देश्यों व लक्ष्यों की सफलता को जांचा जाता है व शिक्षक, विद्यार्थियों को

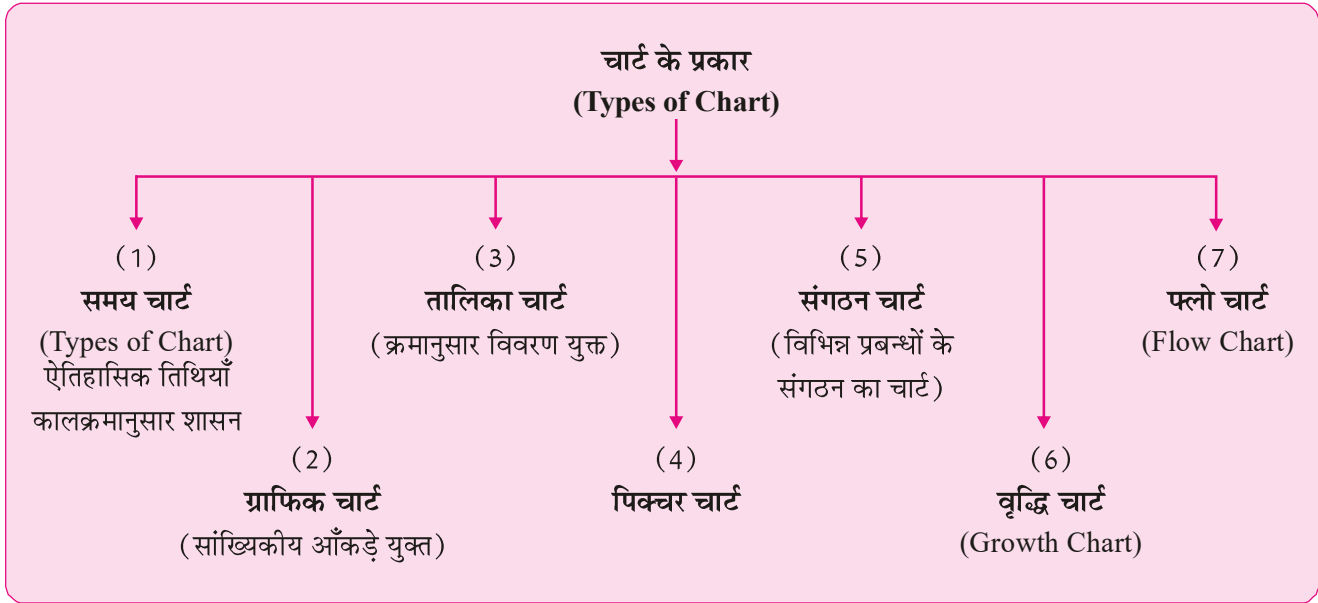
### 1. श्रव्य सहायक सामग्री (Audio Aids Radio) -

- (i) **रेडियो** - आविष्कार - जी मार्कोनी (1895) आकाशवाणी की शुरुआत 1927 (**बेतार उपकरण**)
  - 1937 में पहला विद्यालय प्रसारण (कलकत्ता से)
- (ii) **टेपरिकोर्डर** - भाषण, जानवरों व पक्षियों की आवाज को सुनने में उपयोगी
- (iii) **ग्रामोफोन** - भाषण व गाने की शिक्षा प्रदान
- (iv) **लिंग्वाफोन** - बालक के उच्चारण सुधारने में उपयोगी

- (v) **भाषा प्रयोगशाला** - भाषा प्रयोगशाला श्रव्य - सहायक सामग्री है, भाषा प्रयोगशाला से तात्पर्य प्रयोगशाला से तात्पर्य विद्यालय की किसी कक्ष में इस प्रकार की प्रयोगशाला जिसमें अधिगम व प्रशिक्षण परिस्थितियों का इस प्रकार से आयोजन करना जिससे भाषाई कौशल सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की अर्जन में प्रमुख रूप से सहायता मिल यह पांच प्रकार की होती हैं।

### 2. दृश्य सहायक सामग्री -

- (1) **चार्ट** - मुद्रित व अमुद्रित दोनों होते हैं।

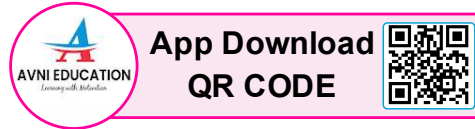


- (2) **मॉडल (Model)** - किसी वास्तविक वस्तु का प्रतिरूप होता है।  
**दो प्रकार - (a) स्थिर (Fixed)**- आकार का ज्ञान कराते है।  
**(b) गत्यात्मक (Dynamic)** - आकार के साथ कार्य विधि का भी ज्ञान कराते है।
- (3) **श्यामपट्ट (Blackboard) - आविष्कार (Invention)**- जेम्स विलियम ने लिखते समय 45 डिग्री के कोण पर लिखना चाहिए।
- (4) **मानचित्र (Maps)** - इतिहास, भूगोल व राजनीति विज्ञान के लिये समान रूप से उपयोगी।
- (5) **ग्लोब (Globe)** - भूगोल के लिये उपयोगी, भौगोलिक स्थिति, ग्रहण, पृथ्वी-सूर्य संबंध व राष्ट्रों की दिशा को व्यक्त करना।
- (6) **सूचना पट्ट / बुलेटिन बोर्ड (Notice Board/Bulletin Board)** (इन्का आकार 2 × 3) - विद्यालय सूचना, फोटोग्राफ, समाचार आदि के लिय उपयोगी
- (7) **फ्लैनेल बोर्ड (खादी बोर्ड) (Flannel Board)** (इन्का आकार 6 × 4) - विभिन्न चित्र, आर्ट आदि को चिपकाया जाता है।
- (8) **स्लाइड प्रोजेक्टर (Slide Projector)** - पारदर्शक दृश्य साधन

जिसके द्वारा किसी भी विषय की सुक्ष्म से सुक्ष्म बात को बड़ा करके दिखाया जाता है। स्लाइड सूक्ष्म पदार्थों को बड़ा करके दिखाती है। स्लाइड लेनटर्न, सेल्फेन, ग्लास व फोटोग्राफिक रूप में होती है।

- (9) **फिल्म स्ट्रीप प्रोजेक्टर (Filmstrip Projector)** - फिल्म स्ट्रीप एक विषय से संबंधित 15 से 20 स्लाइड को मिलाकर 35mm की एक फोटोग्राफी फिल्म होती है। फिल्म स्ट्रीप में विषय वस्तु को निश्चित क्रम में विस्तार पूर्वक प्रदर्शित किया जाता है। (1920 से इन्का विकास हुआ)
- (10) **ओवर हैड प्रोजेक्टर (Over Head Projector) (OHP)** - ट्रान्सपेरेन्सी के ऊपर लिखी हुई सूचनाओं को यह दिवार पर प्रक्षेपित करता है। सिर के ऊपर इसका प्रतिबिम्ब तथा बोलने वाले के पीछे बनता है।
- (11) **एपिडायस्कॉप (Epidiascope)** - पारदर्शक तथा अपारदर्शक दोनों प्रकार की विषयवस्तु को बड़ा करके दिखाया है उसके द्वारा किसी भी पुस्तक के पृष्ठ को प्रक्षेपित किया जा सकता है।
- (12) **मैजिक लालटेन/जादू की लालटेन ( डायस्कॉप ) (The sub-**

- ◆ कंप्यूटर के स्क्रीन पर ब्लिंक करने वाले प्रतीक को कहते हैं - **कर्सर**
- ◆ जंक ई-मेल को कहते हैं - **स्पैम**
- ◆ RL क्या होता है? - **वर्ल्ड वाइड वेब पर डाक्यूमेंट या पेज का एड्रेस**
- ◆ फाइलों को ट्रांसफर करने और संदेशों का आदान-प्रदान करने के लिए किस यूटिलिटी का प्रयोग होता है - **ई-मेल**
- ◆ शिक्षा संस्थान सामान्यतया अपने डोमेन नाम में किसका प्रयोग करता है? - **.edu**
- ◆ ई-कॉमर्स क्या है? - **इंटरनेट पर उत्पादों तथा सेवाओं का क्रय व विक्रय**
- ◆ इंटरनेट से संबंधित एफ.टी.पी. शब्द का मतलब है - **फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल**
- ◆ भारत में की शुरुआत कब हुई? - **15 अगस्त, 1995**
- ◆ भारत में सर्वप्रथम किस राज्य ने इंटरनेट पर टेलीफोन डायरेक्टरी उपलब्ध कराई है? - **सिक्किम**
- ◆ MICR में C का पूरा नाम क्या है? - **कैरेक्टर**
- ◆ OCR का पूर्ण रूप क्या है? - **Optical Character Recognition**
- ◆ कितने किलोबाइट म से एक मेगाबाइट बनता है? - **1024**



**अवनी एज्युकेशन**

**1<sup>st</sup> Grade Psychology + ICT**  
शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र एवं आईसीटी

Video Course  
Live Class  
Task Base Test

Previous Old papers Video Solution

**999/-** Dheer Singh Dhabhai sir  
Asst. Prof.

7877419813, 7877730736

**अवनी एज्युकेशन**

**2<sup>nd</sup> Grade Psychology**  
शिक्षा मनोविज्ञान

Video Course  
Live Class  
Task Base Test

Previous Old papers Video Solution

**799/-** Dheer Singh Dhabhai sir  
Asst. Prof.

7877419813, 7877730736

**अवनी एज्युकेशन**

**1<sup>st</sup> Grade Psychology + 2<sup>nd</sup> Grade Psychology**  
शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र एवं आईसीटी

Video Course  
Live Class  
Task Base Test

Previous Old papers Video Solution

**COMBO COURSE**

**1299/-** Dheer Singh Dhabhai sir  
Asst. Prof.

7877419813, 7877730736

**अवनी एज्युकेशन**

**शिक्षा मनोविज्ञान**

**REET Pre Paper**

Video Course  
Live Class  
Task Base Test  
Test PDF  
E-Notes

**Recorded Class**

**699/-**

Dheer Singh Dhabhai sir  
Asst. Prof.

7877419813, 7877730736